RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 175 | श्रीकंचनपथONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, बुधवार 13 अप्रैल 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलेंगे सीएम भूपेश बघेल

नक्सल समस्या पर होगी बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज दिल्ली दौरे पर हैं। यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नक्सली समस्या, माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के विकास व केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के समन्वय संबंधित मुद्दों पर चर्चा होगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय की इस प्रस्तावित बैठक में सीएम भूपेश के साथ गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू और छत्तीसगढ़ के डीजीपी अशोक जुनेजा भी शामिल होंगे। बैठक दोपहर को होगी।

जनसंपर्क से मिली जानकारी के मुताबिक सीएम भूपेश बघेल बुधवार को दोपहर 12.45 बजे नई दिल्ली पहुंचेंगे। सीएम अपने अपर मुख्य सचिव व डीजीपी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से जीएसटी प्रणाली से राज्य के संसाधनों पर हुए असर, नक्सल समस्या से जुड़े नीतिगत विषयों, नक्सल प्रभावित जिलों के विकास एवं केंद्रीय अर्धसैनिक बलों से समन्वय संबंधित मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। वहीं समाचार छपे जाने तक मुलाकात नहीं हो पाई थी।

पिछले साल अप्रैल में रायपुर आए थे अमित शाह

बता दें कि जनवरी 2020 में रायपुर में हुए मध्य क्षेत्रीय परिषद की 22वीं बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विस्तृत चर्चा हुई थी। इसके बाद नवंबर 2020 में मुख्यमंत्री ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की थी। अप्रैल-2021 में गृहमंत्री शाह छत्तीसगढ़ आए थे। बीजापुर के नक्सल हिंसा में सीआरपीएफ के 23 जवान शहीद हुए थे। बीजापुर में गृहमंत्री जवानों से मिले थे। इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राज्य सरकार, केंद्रीय सुरक्षा बलों के अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा की थी।

सीएम योगी बोले: रामनवमी पर यूपी में 800 से ज्यादा जुलूस निकाले गए, दंगा-फसाद तो छोड़िए झगड़ा तक नहीं हुआ

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अपने राज्य के प्रशासन की तारीफकरते हुए कहा कि रामनवमी पर यूपी में 800 से ज्यादा जगहों पर जुलूस निकाले गए लेकिन कहीं कोई झगड़ा तक नहीं हुआ। दंगा-फसाद तो दूर की बात है।

लखनऊ में लालजी टंडन की जयंती पर सीएम योगी ने एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि परसों रामनवमी थी, यूपी में 25 करोड़ की आबादी रहती है। 800 स्थानों पर रामनवमी पर शोभा यात्रा थी जूलुस भी थे। साथ-साथ इस समय रमजान का महीना चल रहा है, रोजा इफ्तार के भी कार्यक्रम रहे होंगे।

सीएम योगी ने आगे कहा कि कहीं भी कोई तू-तू मैं-मैं नहीं हुई, दंगे-फसाद की बात तो दूर है। ये उत्तर प्रदेश की विकास की नई सोच को प्रदर्शित करता है। यहां दंगा-फसाद के लिए कोई जगह नहीं है, अराजकता के लिए गुंडागर्दी के लिए और अफवाह के लिए कोई जगह नहीं है। उत्तर प्रदेश में रामनवमी के अवसर पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की पावन जयंती के अवसर पर यह साबित किया है।

इससे पहले, सीएम योगी ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि लालजी टंडन का व्यक्तित्व सकारात्मक राहों को आगे बढ़ाने का एक माध्यम था। अत: हर एक कार्यकर्ता उन पर गौरव की अनुभूति करता था। किसी की कहीं भी सुनवाई नहीं होती थी तो 'बाबूजी' उसके लिए उपलब्ध रहते थे। केवल भाजपा ही नहीं, अन्य दल व समुदाय के लोग भी उनके पास जाते थे।

सीएम योगी ने लिखा कि लालजी टंडन आज भौतिक रूप से भले हम लोगों के बीच में नहीं हैं, लेकिन वे अपने कार्यों, लेखन व स्मृतियों के माध्यम से सदैव जीवंत रहेंगे। उनकी जयंती के अवसर पर यूपी सरकार की ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी स्मृतियों को कोटि-कोटि नमन करता हूं।

खास-खबर

स्कूलों में फैल रहा कोरोना, पिछले तीन दिन में 32 बच्चे व शिक्षक हुए संक्रमित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में एक बार फिर से कोरोना के नए मामले सामने आने लगे हैं। दिल्ली-एनसीआर के स्कूल में कोरोना फैलता जा रहा है। पिछले तीन दिन में कोरोना से 32 छात्र और शिक्षक के रूप में नए मामले सामने आए हैं। जिसके बाद से स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट हो गया है। मंगलवार को खेतान के बाद डीपीएस समेत पांच स्कूलों में 8 बच्चे कोरोना से संक्रमित पाए गए। इसके अलावा पूरे गौतमबुद्धनगर में 20 संक्रमित मिले हैं। इनमें से आठ मरीजों की आयु 18 वर्ष से कम है। वहीं, अभिभावकों ने दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), द मिलेनियम, जेबीएम स्कूल, श्रीराम मिलेनियम और समरविल के बच्चों में संक्रमण की बात कही है। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग व स्कूल इस तरह की जानकारी होने से इनकार कर रहे हैं। सिर्फ डीपीएस ने दो मामलों की पुष्टि की है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के अनुसार संक्रमित पाए गए सभी बच्चों की स्थिति सामान्य है। किसी में फिलहाल गंभीर लक्षण सामने नहीं आए हैं। सभी का इलाज किया जा रहा है।

सेक्टर-30 स्थित डीपीएस में कक्षा 10 व कक्षा 8 के बच्चे को कोरोना हुआ है। इन दोनों कक्षाओं में सामान्य रूप से पढ़ाई बंद करके ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कर दी गई हैं। स्कूल की अन्य कक्षाएं जारी रहेंगी, लेकिन अभिभावक इन्हें भी बंद करने की मांग कर रहे हैं। मामले में स्वास्थ्य विभाग व निजी स्कूलों पर जानकारी छुपाने संबंधी आरोप भी अभिभावक लगा रहे हैं। कई सोशल मीडिया पोस्ट में यह दावा किया गया कि नए मिले संक्रमित डीपीएस, सेक्टर-22 समरविल, सेक्टर-119 द मिलेनियम स्कूल व सेक्टर-135 श्रीराम मिलेनियम स्कूल, सेक्टर-132 जेबीएम स्कूल से हैं। श्रीराम मिलेनियम व जेबीएम ने किसी मामले से इनकार किया है।

भारत को जी-7 मीटिंग से दूर रखने पर विचार कर रहा जर्मनी, रूस की आलोचना न करने पर खफा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस के खिलाफन बोलने पर भारत को जी-7 की मीटिंग से दूर रखने पर जर्मनी विचार कर रहा है। जर्मनी 26 से 28 जून तक ग्रुप-7 देशों की मीटिंग होस्ट करने वाला है, लेकिन इससे भारत से दूर रखने पर विचार कर रहा है। ब्लूमबर्ग ने इस मामले से जुड़े लोगों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में ऐसा दावा किया है। सूत्रों ने कहा कि जी-7 मीटिंग में जर्मनी सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया को गेस्ट के तौर पर शामिल करने पर विचार कर रहा है। दरअसल गेस्ट लिस्ट यूक्रेन पर हमले से पहले ही तैयार की गई थी, जिसमें भारत भी था। लेकिन अब इस लिस्ट को लेकर विचार किया जा रहा है।

जगदलपुर-बीजापुर नेशनल हाईवे पर खाई में गिरी स्कॉर्पियो, तीन की मौत, तीन घायल

बस्तर। छत्तीसगढ़ में जगदलपुर-बीजापुर नेशनल हाईवे 63 पर मंगलवार को एक हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि यहां एक स्कॉर्पियो सड़क किनारे खाई में जा गिरी। हादसे में कुल तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को गीदम के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

बताया जा रहा है कि जिन दो युवकों की मौके पर मौत हुई है, वे करीब डेढ़ घंटे तक दुर्घटना के बाद वाहन में फंसे रहे। एक की अस्पताल में मौत हुई। मामला गीदम थाना क्षेत्र का है।

खैरागढ़ उपचुनाव: प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद

78 प्रतिशत मतदान, 16 को नतीजे

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव में 10 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतदाताओं ने कर दिया। अब उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है। शाम 5 बजे तक 78 फीसदी से अधिक मतदान हो चुका था। 5 बजे के बाद केंद्रों के अंदर मौजूद मतदाताओं की वोटिंग जारी है। वोटिंग का फाइल प्रतिशत अभी जारी नहीं हुआ है। उपचुनाव के परिणाम 16 अप्रैल को आएंगे। भाजपा-कांग्रेस सहित सभी प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं।

राजनांदगांव जिले के नक्सल प्रभावित साल्हेवारा में मतदान का प्रतिशत बढ़ने की जानकारी मिली है। मतदान पूरा होने के बाद ही संवेदनशील बूथों की स्थिति स्पष्ट होगी। गंडई-छुईखदान इलाके में 70 फीसदी तक मतदान हुआ है। वहीं खैरागढ़-जालबांध में भी 60 से 65 फीसदी से अधिक मतदान हो चुका है। खैरागढ़ विधानसभा में औसत 80 फीसदी तक मतदान होने की उम्मीद है। गर्मी का मौसम होने के कारण सुबह से ही लोग बड़ी संख्या में मतदान केंद्र पहुंचने लगे थे। खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 291 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें 53 मतदान केंद्र माओवाद प्रभावित संवेदनशील माने गए हैं। 86 मतदान केंद्रों को राजनीतिक कारणों से संवेदनशील बताया गया है। मतदान में 1164 अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं सुरक्षा के लिए 22 कंपनियां तैनात है। कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में ईवीएम जमा होंगे।

डॉ. रमन और भूपेश की प्रतिष्ठा दांव पर

खैरागढ़ उप चुनाव में सीएम भूपेश बघेल और पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। भाजपा इसे सत्ता का सेमीफाइनल मान रही है। यहीं से छत्तीसगढ़ में जीत की शुरुआत होने और आगामी विधानसभा में सत्ता परिवर्तन की बात कही जा रही है। वहीं सीएम भूपेश बघेल बड़े अंतर से जीत के साथ 2023 में सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में इससे पहले हुए 3 उपचुनाव में कांग्रेस को जीत मिली है। टीम भूपेश बघेल अपनी जीत का सिलसिला जारी रखना चाहेगी। वहीं राजनांदगांव सीट से डॉ. रमन सिंह विधायक हैं। इससे पहले वे राजनांदगांव सीट से लोकसभा के सांसद भी रह चुके हैं। खैरागढ़ उपचुनाव को छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम और मौजूदा सीएम के बीच की जंग के तौर पर देखा जायेगा।

रायपुर में इलेक्ट्रॉनिक कारोबारी की दुकान में जीएसटी टीम का छापा, जीएसटी चोरी का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जीएसटी की टीम लगातार छापेमारी कर जीएसटी में गड़बड़ी के मामले पकड़ रही है। इसी कड़ी में राजधानी रायपुर के कारोबारी की दुकान पर दबिश दी गई है। केंद्रीय जीएसटी के करीब एक दर्जन सदस्यों की टीम ने यहां पर छापा मारा। टीम के सदस्य दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं।

राजधानी के पचपेड़ी नाका स्थित कैपिटल स्क्वायर कॉम्प्लेक्स के पास क्रिएशन सेनेटरी की दुकान पर छापा पड़ा है। जीएसटी की टीम ने यह छापा मंगलवार को मारा है। दुकान के संचालक सुशील और डब्बू बलानी से पूछताछ की जा रही है, और दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और दस्तावेज जब्त किए गए।

टीम ने जीएसटी चोरी की शिकायत पर दबिश दी है। डब्बू बलानी के दो और भाई हैं। तीनों का अलग-अलग कारोबार है। डब्बू बलानी और बड़े भाई सुनील बलानी के घर और अन्य ठिकानों पर भी दबिश देकर जांच की जा रही है।

संपादकीय

मोदी-बाइडन वार्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुई आभासी शिखर-वार्ता के गहरे निहितार्थ हैं। रियायती दर पर भारत को तेल बेचने के रूसी प्रस्ताव को लेकर एकाधिक अमेरिकी बयानों से भ्रम की स्थिति बन गई थी। पश्चिमी मीडिया का एक हिस्सा इन बयानों को अमेरिकी नाखुशी के रूप में पेश करने में जुटा था, लेकिन विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-अमेरिकी 2+2 वार्ता के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में स्पष्ट कर दिया कि रूस से पेट्रो उत्पादों की खरीद के संदर्भ में भारत को लेकर अमेरिका को चिंतित होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यूरोप जितना एक दोपहर में उससे तेल खरीदता है, भारत उतना महीने भर में भी आयात नहीं करता। वाशिंगटन को यह मानना पड़ा है कि भारत का तेल आयात मॉस्को पर आयद प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं है और यूक्रेन युद्ध के मामले में भारत अपनी भूमिका लेने के लिए आजाद है।

> “यह भारत का पुराना रुख है, वह किसी अमानवीय कृत्य की हिमायत नहीं कर सकता। निस्संदेह, भारत को भी अमेरिका के साथ और सहयोग की आवश्यकता है, पर वाशिंगटन को समझना होगा कि इकतरफा दबाव का दौर अब खत्म हो चुका है। यूरोप का रूस से जारी कारोबार इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इसलिए परस्पर सम्मान और समझदारी से ही भारत-अमेरिकी संबंध भी एक नई ऊंचाई को छू सकेंगे।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया की बड़ी शक्तियां अब खुलकर आमने-सामने आ चुकी हैं और अमेरिका चाहता है कि रूस पर आर्थिक दबाव बनाए रखा जाए। इसलिए मॉस्को से पेट्रो उत्पादों के अलावा हथियार खरीद के नए समझौतों को लेकर भी उसने अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। लेकिन वाशिंगटन को यह समझने की जरूरत है कि रूस के साथ भारत के दशकों पुराने सामरिक संबंध हैं और वह अपने हितों की अनदेखी नहीं कर सकता। यूक्रेन मामले पर संयुक्त राष्ट्र की तमाम वोटिंग के दौरान अनुपस्थित रहकर भी भारत ने यह साफ कर दिया है कि वह अपने कंधे का इस्तेमाल करने की इजाजत किसी को नहीं देगा। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रुख से भी वाशिंगटन को स्पष्ट हो जाना चाहिए कि भारत वैश्विक शांति और अपने हितों के बीच संतुलन साधना जानता है। प्रधानमंत्री ने बातचीत के दौरान एक बार भी रूस का नाम नहीं लिया। भारत को अपने पक्ष में करने की अमेरिकी रणनीति समझी जा सकती है। ये दोनों देश दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। फिर वाशिंगटन जानता है कि चीन पहले से मॉस्को के साथ है। उसके पास मजबूत आर्थिक व सैन्य ताकत के अलावा एक विशाल बाजार भी है, जिसका जवाब सिर्फ भारत हो सकता है। भारत और चीन के तनावपूर्ण संबंधों में भी वह अपने लिए संभावनाएं देख रहा है। चंद रोज पहले उसके उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह की अराजनयिक टिप्पणी इसी बात की तस्दीक करती है। अब वह भारत की ऊर्जा व सैन्य जरूरतों में अपनी दिलचस्पी दिखा रहा है। यह सही है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति परिस्थितियों से संचालित होती है, लेकिन नाजुक मौकों पर रूस के सहयोग को भारत कैसे भूल सकता है? वह भी उस अमेरिका के मुकाबले, जिसने तमाम सुबूतों के बावजूद पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मामले में भारतीय हितों की हमेशा अनेदखी की? इन सबके बावजूद प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के मासूम नागरिकों की हत्या की तीखी निंदा की है। और यह भारत का पुराना रुख है, वह किसी अमानवीय कृत्य की हिमायत नहीं कर सकता। निस्संदेह, भारत को भी अमेरिका के साथ और सहयोग की आवश्यकता है, पर वाशिंगटन को समझना होगा कि इकतरफा दबाव का दौर अब खत्म हो चुका है। यूरोप का रूस से जारी कारोबार इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इसलिए परस्पर सम्मान और समझदारी से ही भारत-अमेरिकी संबंध भी एक नई ऊंचाई को छू सकेंगे।

अंग्रेजी को अमित शाह की चुनौती

गृहमंत्री अमित शाह ने कल वह बात कह दी, जो भारत के लिए महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया कहा करते थे। शाह ने संसदीय राजभाषा समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के नागरिकों को परस्पर संवाद के लिए अंग्रेजी की जगह हिंदी का इस्तेमाल करना चाहिए। याने भारत की संपर्क भाषा अंग्रेजी नहीं, हिंदी होनी चाहिए! इसमें उन्होंने गलत क्या कहा? भारत को आजाद हुए 75 साल हो रहे हैं और हम अभी भी अंग्रेजी की गुलामी कर रहे हैं। अंग्रेजी न केवल भारत के मुट्ठीभर लोगों की भाषा है बल्कि यह भारत की असली राजभाषा है। राजभाषा के नाम पर हिंदी तो शुद्ध ढोंग है। अब भी सरकार के सारे महत्वपूर्ण काम अंग्रेजी में होते हैं। भारत का कानून, न्याय, राजकाज, उच्च शिक्षण, शोध, चिकित्सा— सब कुछ अंग्रेजी में होता है। हमारे अनपढ़ और अधपढ़ नेताओं में हिम्मत ही नहीं कि वे अंग्रेजी की इस गुलामी को चुनौती दें। अंग्रेजी महारानी बनी हुई है और समस्त भारतीय भाषाएं उसकी नौकरानियां बन चुकी हैं। इस स्थिति को बदलने का काम हिंदी लाओ नहीं, अंग्रेजी हटाओ के नारे से होगा। अमित शाह को मैं बधाई दूंगा कि वे भारत के ऐसे पहले गृहमंत्री हैं, जिन्होंने दो-टूक शब्दों में अंग्रेजी हटाओ का नारा दिया है। अंग्रेजी हटाओ का मतलब यह नहीं है कि अंग्रेजी मिटाओ। जो स्वेच्छा से अंग्रेजी तो क्या, कोई भी विदेशी भाषा पढ़ना चाहे, उसमें काम करना चाहे, जरुर करे लेकिन बस, वह थोपी नहीं जाए। अगर अंग्रेजी थोपी नहीं जाए तो हिंदी थोपना भी उतना ही गलत है। हिंदी के प्रचलन से यदि किसी अहिंदीभाषी को कोई नुकसान होता हो तो मैं उसका सख्त विरोध करुंगा। अमित शाह अपने भाषण में जरा यह कह देते कि अंग्रेजी हटाओ और उसकी जगह भारतीय भाषाएं लाओ तो इस वक्त जो तूफान उठ खड़ा हुआ है, वह नहीं होता। गुजरातीभाषी अमित शाह के भोलेपन पर कई दक्षिण भारतीय नेताओं को भड़कने का मौका मिल गया। यदि अमित शाह यह कह दें और जो कहें, उसे करें भी कि हिंदीभाषी लोग अन्य भारतीय भाषाएं निष्ठापूर्वक सीखें तो इन अंग्रेजीप्रेमियों की बोलती बंद हो जाएगी।

-वेद प्रताप वैदिक

> “आपके द्वार आयुष्मान के तहत, फ्रंटलाइन हेल्थकेयर वर्कर्स, ग्राम पंचायत अधिकारियों और गांव-आधारित डिजिटल उद्यमियों के एक जमीनी नेटवर्क का उपयोग समुदायों में लाभार्थियों तक घर-घर पहुंचकर आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए किया गया था। दिहाड़ी मजदूरों के लिए विशेष रात्रि शिविर लगाए गए। इन प्रयासों का का ही नतीजा है कि जनवरी 2021 से 4.7 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्डों के निर्माण हुआ, एनएचए आईटी सिस्टम द्वारा बनाए गए आयुष्मान कार्डों में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

आयुष्मान भारत ने बदली स्वास्थ्य देखभाल सेवा की तस्वीर

डॉ आर एस शर्मा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण

भारत के सभी नागरिकों के स्वास्थ्य देखभाल को विश्व-स्तरीय बनाने के ध्येय से 2017 में भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (एनएचपी) को अंगीकार किया था। इसे अंगीकार करते समय सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह उभरकर आया था कि किस तरह भारत सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को तीव्रता से प्राप्त करे। भूत में भारत में स्वास्थ्य देखभाल की स्थिति पर अंतर्दृष्टि डालने पर यह साफ-साफ दिख रहा था कि स्वास्थ्य देखभाल की लागत पर होने वाले खर्चों के कारण आम आदमी की क्रय शक्ति प्रभावित हो रही है, अत: इन खर्चो को कम करना भी एनएचपी के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल था। उपरोक्त कारणों की पृष्ठभूमि में ही आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री - जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जय) की परिकल्पना की गई ताकि स्वास्थ्य सेवा वितरण को समग्र दृष्टिकोण के साथ तीव्रता प्रदान की जा सके और देश के अंतिम जन की पहुंच किफायती एवं गुणवत्ता-युक्त स्वास्थ्य सेवाओं तक सुलभता से हो सके।

ऐसा नहीं है कि आयुष्मान भारत पीएम-जय स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में देश का पहला प्रयास था बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (आरएसबीवाई), राज्यों की योजनाओं जैसे आंध्र प्रदेश में आरोग्यश्री, महाराष्ट्र में जीवनदायी योजना जैसी पूर्ववर्ती योजनाओं को भी भरपुर श्रेय दिया जाना चाहिए। वर्तमान में यह भी सच है कि एबी पीएम-जय ने स्वास्थ्य बीमा/आश्वासन के क्षेत्र में बाकी तमाम हितधारकों को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ा मुकाम हासिल किया है।

इसके विस्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मौजूदा समय में आयुष्मान भारत पीएम-जय राज्य स्वास्थ्य योजनाओं के साथ मिलकर 14 करोड़ से अधिक परिवारों (70 करोड़ व्यक्तियों) के लाभार्थी आधार को कवर कर रहा है। अभी तक इस योजना के तहत लगभग 18 करोड़ व्यक्तियों की पहचान कर उनका आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। वैश्विक महामारी के बीच महज 3.6 वर्षों के अपने छोटे से क्रियान्वयन काल में एबी पीएम-जय ने अस्पताल-भर्ती के साथ लगभग 3.28 करोड़ उपचार प्रदान किया है, जिसपर उपचार खर्च 37,600 करोड़ से ज्यादा का रहा है।

वर्तमान में जिस प्रकार से आयुष्मान भारत पीएम-जय अपनी उड़ान भर रहा है, यह माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण और कैबिनेट द्वारा संकल्पित बहुमुखी नीतिगत ढांचे का परिणाम है। आयुष्मान भारत पीएम-जय के पीछे के मार्गदर्शक सिद्धांतों को स्पष्ट करने वाले प्रमुख बिन्दुओं को निम्न रूपों में समझा जा सकता है:

व्यापक स्वास्थ्य लाभ पैकेज

एबी पीएम-जय की जब प्रारंभ हुआ था तब 1,393 उपचार पैकेज था लेकिन अब इसका विस्तार 1670 उपचार पैकेजों तक किया जा चुका है। इन पैकेजों में ऑन्कोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, कार्डियोवस्कुलर सर्जरी आदि जैसी विभिन्न चिकित्सा विशेषताओं के उपचार के लिए 5 लाख रुपये तक प्रति लाभार्थी परिवार को प्रति वर्ष कवर प्रदान किया जाता है। अस्पताल में भर्ती होने और बाद के खर्चों का भी ख्याल इन पैकेजों में रखा गया है, इतना ही नहीं पोर्टिबिलीटी फीचर के माध्यम से देश के दूर-दराज के लाभार्थी भी देश के किसी भी कोने में जाकर आयुष्मान सूचीबद्ध अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य देखभाल ले सकते हैं।

स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर अभिसरण और एकीकरण

एबी पीएम-जय के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को उनके क्रियान्वयन के तरीके, लाभार्थी डेटाबेस को चुनने और अस्पतालों का नेटवर्क बनाने में काफी लचीलापन प्रदान किया गया था। इसके अलावा, एनएचए ने मौजूदा राज्य आधारित योजनाओं के साथ भी तत्परता-पूर्वक अभिसरण किया। वर्तमान में, एबी पीएम-जय को 25 से अधिक राज्य-विशिष्ट स्वास्थ्य योजनाओं के साथ मिलकर लागू किया गया है। इसके अतिरिक्त, देश भर के 600 से अधिक जिलों में जिला क्रियान्वयन इकाइयां (डीआईयू) स्थापित की गई हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एबी पीएम-जय की प्रशासनिक पहुँच लाभार्थी के घर तक हो सके।

स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में समानता सुनिश्चित करना

सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना डेटाबेस के तहत कवर किए गए समाज के हाशिए के वर्गों के लिए योजना के लाभों का विस्तार करने हेतु नए सिरे से प्रोत्साहन दिया गया है। इसी तरह, एबी पीएम-जय ने लिंग-विशिष्ट समानता सुनिश्चित करने के लिए एक प्रबुद्ध दृष्टिकोण अपनाया है। पूर्ववर्ती आरएसबीवाई योजना में परिवार के सदस्यों के ऊपरी सीमा पर कैप था, जिसके कारण घर के औरतों का उपचार नहीं हो पाता था। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए एबी पीएम-जय परिवार के सदस्यों की संख्या को कैप नहीं किया गया है। जिसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिला है। एनएचए आईटी प्लेटफॉर्म का उपयोग करके बनाए गए आयुष्मान कार्डों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 50त्न और अधिकृत अस्पताल में भर्ती होने वालों में 47 प्रतिशत है।

मजबूत, विस्तृत और अंतर-संचालित प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म

पहले की योजनाओं को लागू करने में यह देखने को मिला था कि आइटी सिस्टम की एकरूपता नहीं होने के कारण वितरण प्रभावित होता था। इस समस्या को दूर करने के लिए एबी पीएम-जय के तहत, लाभार्थी की पहचान, लेन-देन प्रबंधन और अस्पताल के पैनल में सहायता के लिए एक अत्यधिक बहुमुखी प्रौद्योगिकी मंच को विकसित किया गया है। अपनी नवीनता एवं परिवर्तनात्मकता के कारण सम्मानित हो चुकी यह आईटी प्लेटफॉर्म अब 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय है। इससे एनएच-एसएचए स्तर पर साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और जरूरी सुधार में सहायता मिलती रही है।

सार्वजनिक और निजी भागीदारी

आयुष्मान भारत पीएम-जय के तहत योजना के लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए सार्वजनिक और निजी दोनों अस्पतालों को सूचीबद्ध किया गया है। निजी क्षेत्र की भागीदारी ने योजना के लाभार्थियों के लिए इलाज की तलाश करने के रास्ते बढ़ा दिए हैं और साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र में तृतीयक देखभाल सुविधाओं पर बोझ कम कर दिया है। एबी पीएम-जय के तहत, यह सुनिश्चित किया गया था कि सार्वजनिक अस्पतालों को उनकी सेवाओं के लिए समान रूप से और निजी अस्पतालों के समान दरों पर प्रतिपूर्ति की जाएगी। इसने सार्वजनिक क्षेत्र के अस्पतालों को 'अनटाइड फंड' का एक पुल बनाने में भी मदद की है, जिसे बुनियादी ढांचे और मानव संसाधनों में स्थायी रूप से निवेश किया जा सकता है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के अस्पतालों की पूरक भूमिका यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण रही है कि योजना का क्रियान्वयन निर्बाध रूप से आगे बढ़े।

आपके द्वार आयुष्मान

एनएचए का कार्यभार संभालने के बाद मैंने जिन प्रमुख गतिविधियों को हरी झंडी दिखाई, उनमें से एक है आपके द्वार आयुष्मान। आपके द्वार आयुष्मान के तहत, फ्रंटलाइन हेल्थकेयर वर्कर्स, ग्राम पंचायत अधिकारियों और गांव-आधारित डिजिटल उद्यमियों के एक जमीनी नेटवर्क का उपयोग समुदायों में लाभार्थियों तक घर-घर पहुंचकर आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए किया गया था। दिहाड़ी मजदूरों के लिए विशेष रात्रि शिविर लगाए गए। इन प्रयासों का का ही नतीजा है कि जनवरी 2021 से 4.7 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्डों के निर्माण हुआ, एनएचए आईटी सिस्टम द्वारा बनाए गए आयुष्मान कार्डों में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एनएचए नए जोश के साथ आपके द्वार आयुष्मान कार्ड ड्राइव को पुन: लॉन्च करने जा रहा है। इस बार हम असम, बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अंत में, मैं एबी पीएम-जय को सफलता के सोपान पर पहुंचाने में अथक परिश्रम करने के लिए एनएचए, एसएचए, डीआईयू, क्रियान्वयन सहायता एजेंसियों, प्रधान मंत्री आरोग्य मित्र, फ्रंटलाइन हेल्थकेयर वर्कर्स, आयुष्मान कार्ड बनाने वाली एजेंसिया जैसे सीएससी /यूटीआईआईटीएसएल से मिलकर बने पूरे आयुष्मान भारत पीएम-जय इकोसिस्टम को भी इसका श्रेय देना चाहूंगा। हालांकि, इस योजना को अपनी पूरी क्षमता का दोहन करने में मदद करने के लिए आगे अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

जिंदगी में तुम
बिन कुछ नहीं
तुम हो तो
जिंदगी
जिदंगी है।

-अंजली जैन
7024460938

परिवारवादी पार्टियां लोकतंत्र के लिए खतरा नहीं

अजीत द्विवेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छह अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर वीडियो कांफ्रेंसिंग से दिए एक भाषण में 'परिवारवादी' पार्टियों पर हमला करते हुए कहा, 'ये लोग भले ही अलग अलग राज्यों में हों, लेकिन परिवारवाद के तार से जुड़े रहते हैंज्.परिवारवादी पार्टियों ने कभी युवाओं को आगे नहीं बढ़ने दिया, उनके साथ हमेशा विश्वासघात किया हैज्..युवा अब समझने लगे हैं कि किस तरह परिवारवादी पार्टियां लोकतंत्र की सबसे बड़ी दुश्मन हैं'। उन्होंने इससे पहले आठ फरवरी को राष्टपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए लोकसभा में कहा था, 'लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा परिवारवादी पार्टियों से है, यह मानना पड़ेगा'। चुनावी भाषणों में तो प्रधानमंत्री अक्सर यह बात कहते रहे हैं।

सवाल है कि 'परिवारवादी' पार्टियां कौन सी हैं? बहुत सरलीकरण करें तो उन सभी पार्टियों को 'परिवारवादी' कह सकते हैं, जिनकी कमान बरसों या दशकों से एक परिवार के हाथ में हो या परिवार के किसी पुरखे ने पार्टी की स्थापना की हो और आज उसी परिवार का कोई सदस्य पार्टी को संभाल रहा हो। लेकिन क्या इतने भर से ऐसी पार्टियां लोकतंत्र की दुश्मन और लोकतंत्र के लिए खतरा बन जाती हैं? यह एक गंभीर विमर्श का मसला है, जिस पर आगे विचार करेंगे लेकिन उससे पहले कुछ राजनीतिक सवाल उठाने जरूरी हैं, जिनसे इस अहम मसले पर भाजपा की हिप्पोक्रेसी और सतही समझ का पता चलता है। सवाल है कि क्या सिर्फ वहीं 'परिवारवादी' पार्टियां लोकतंत्र के लिए खतरा हैं, जो भाजपा और केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध कर रही हैं या वो पार्टियां भी, जो भाजपा का साथ दे रही हैं?

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्री पशुपति पारस की लोक जनशक्ति पार्टी पारस 'परिवारवादी' पार्टी है या नहीं? मेघालय में भाजपा के समर्थन वाली और कोनरेड संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी 'परिवारवादी' है या नहीं? केंद्र सरकार का परोक्ष समर्थन कर रही बीजू जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस 'परिवारवादी' पार्टियां हैं या नहीं? अगर 'परिवारवादी' पार्टियां लोकतंत्र के लिए खतरा हैं तो ऐसी पार्टियों को साथ रखने से लोकतंत्र कैसे मजबूत होगा? ऊपर बताई गई परिभाषा के हिसाब से शिव सेना, अकाली दल और टीडीपी तीनों 'परिवारवादी' पार्टियां हैं, जो दशकों तक भाजपा की सहयोगी रही हैं। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भी तीनों पार्टियों का भाजपा से साझा रहा है।

सवाल है कि ऐसी लोकतंत्र विरोधी पार्टियों को क्यों साथ रखा गया था? जम्मू कश्मीर की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी भी एक 'परिवारवादी' पार्टी है, जिसके संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद और उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती दोनों को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ने ही जम्मू कश्मीर का मुख्यमंत्री बनाया था। कांग्रेस की स्थापना किसी गांधी या नेहरू ने नहीं की थी लेकिन चूंकि उस पर नेहरू-गांधी परिवार का नियंत्रण है इसलिए उसे 'परिवारवादी' कहा जाता है। उस पार्टी में तरक्की पाकर सत्ता की ऊंचाई तक पहुंचे कई 'परिवारवादी' इन दिनों भाजपा की शोभा बढ़ा रहे हैं। जाहिर है 'परिवारवादी' पार्टियों और लोकतंत्र के लिए खतरे का सिद्धांत अपनी सुविधा से बनाया गया है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

खास खबर

सेल खेल मेला-2022 का शुभारंभ

भिलाई। रामकृष्ण मिशन आश्रम, नारायणपुर और भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्त्वावधान में सेल खेल मेला-2022 का शुभारंभ भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेषक के के सिंह के मुख्य आतिथ्य में दिनांक 11 अप्रैल 2022, सुबह 8 बजे सम्पन्न हुआ। विदित हो कि पिछले दो साल कोरोना महामारी के कारण यह खेल मेला का आयोजन नही हो पाया था। इस वर्ष रावघाट अंचल के अंतागढ़, नारायणपुर एवं ओरछा ब्लाक के गांवों के 25 स्कूलों से लगभग 1500 आदिवासी छात्र जिसमें लगभग 300 लड़कियां शामिल हैं इस सेल खेल मेला में भाग ले रहे हैं। सेल खेल मेला में फुटबॉल, वॉलीबाल, खो-खो, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तीरंदाजी इत्यादि खेल आयोजित किये जा रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी व्याप्तानन्द जी महाराज, सचिव, रामकृष्ण मिशन आश्रम ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक प्रभारी (खदान एवं रावघाट), समीर स्वरूप, महाप्रबंधक (कार्मिक), एच शेखर, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस (नारायणपुर), देवनाथ उसेण्डी, भिलाई इस्पात संयंत्र के खेल एवं सांस्कृतिक विभाग प्रमुख, साहिराम जाखड़, सह-सचिव (छत्तीसगढ़ फुटबॉल एसोसिएशन), मोहनलाल, अंतराष्ट्रीय फुटबॉल कोच, जवाहर दास, सह-सचिव, रामकृष्ण मिशन आश्रम, स्वामी अनुभवानंद, स्वामी वसुदानन्द, स्वामी कृष्णामृतानन्द, स्वामी तापसानन्द, स्वामी प्रणतपालानन्द उपस्थित थे। इसके साथ ही आश्रम के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित अन्य कर्मचारिवृन्द तथा 1500 बच्चें जो इस खेल मेला में शामिल हुए हैं वे कार्यक्रम में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि द्वारा मशाल प्रज्वलित कर खेल मेला का उद्घाटन किया गया।

एमआईसी में आधा दर्जन प्रस्ताव पारित

डुंडेरा में बनेगा रिसाली निगम का पहला व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स

उद्यानों का रखरखाव जनभागीदारी द्वारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली का पहला व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स डुंडेरा में बनेगा। मंगलवार को महापौर परिषद की बैठक में उक्त निर्णय लिया गया। महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता में हुई बैठक में सद्स्यों ने आधा दर्जन विषयों पर चर्चा करते हुए प्रस्ताव को सर्वसम्मती से पारित किया।

परिषद के सद्स्यों ने मुख्य रूप से व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स निर्माण संबंधी चर्चा करते प्रस्ताव को पारित किया। एक मत से कहा कि निगम को आय हो सके ऐसे कार्य को प्राथमिकता से करना चाहिए। मेयर इन काउंसिल गठन के दूसरे बैठक में डुंडेरा सामुदायिक भवन के निकट कॉम्प्लेक्स निर्माण करने सहमति बनी।

आयुक्त आशीष देवांगन ने कहा कि स्थल चयन की प्रक्रिया भविष्य को देखते हुए किया जाए। प्रस्तावित स्थल पर अगर कोई व्यवसाय कर रहा है तो उसे भी ध्यान में रख योजना तैयार करना चाहिए। परिषद के सद्स्यों ने कहा कि इस कार्य को मूर्त रूप देने के बाद रिसाली के शहरी क्षेत्र में आय बढ़ाने अधिकारी कार्य योजना बनाए। महापौर परिषद की बैठक में सभापति केशव बंछोर, परिषद के सद्स्य विलास राव बोरकर, चन्द्रभान ठाकुर, गोविन्द चतुर्वेदी, अनूप डे, सनीर साहू, परमेश्वर कुमार, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, कार्यपालन अभियंता सुशील बाबर, सहायक अभियंता आर के जैन व विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

जनभागीदारी से गार्डन का रखरखाव

उद्यान संधारण और पौधरोपण व उसकी देखरेख में हर माह होने वाले लाखों के व्यय को रोकने का निर्णय लिया गया। महापौर परिषद के सद्स्यों ने कहा कि उद्यानों का रखरखाव अब पार्षद के नेतृत्व में गठित जनभागीदारी समिति द्वारा किया जाएगा। इसी तरह रिसाली मुक्ति धाम का संचालन भी निगम द्वारा किया जाएगा। मुक्तिधाम में सुविधाओं को बढ़ाने का खाका तैयार महापौर परिषद के सद्स्य विलास राव बोरकर व जनस्वास्थ्य विभाग प्रमुख करेंगे। भिलाई पब्लिक स्कूल के पीछे बहुमूल्य जमीन अतिक्रमण की चपेट में है। यह जमीन भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा हस्तांतरित भूमि का हिस्सा है। परिषद के सद्स्यों ने कहा कि यहा पर रहने वाले परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाते हुए व्यवस्थापन किया जाए। साथ ही खाली जमीन का उपयोग आय बढ़ाने के लिए किया जाए।

फुटकर व्यावसाय होगा व्यवस्थित

शहर के व्यस्त मार्ग के किनारे फुटपात पर सामान बेचने वालों को व्यवस्थित किया जाएगा। इसके लिए गुमटी का आबंटन किया जाएगा। परिषद के सद्स्यों ने कहा कि गुमटी आबंटन से निगम के आय में ईजाफा होगा। रिसाली निगम जल्द ही होर्डिंग्स के लिए टेंडर निकालेगा। राजस्व विभाग के मुताबिक वर्तमान ने कुल 14 होर्डिंग्स है। परिषद के सद्स्यों ने कहा कि विभाग ऐसे स्थानों को भी चिन्हित करे जहां पर नया विज्ञापन बोर्ड लगाया जा सके। इसके बाद ही निगम के शर्तो के आधार पर टेंडर जारी किया जाए।

स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण कर आयुक्त प्रकाश सर्वे ने मरीज को अधिक से अधिक लाभान्वित करने पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर नीरज पाल की मंशा है कि श्रमिकों को उनकी ही बस्ती में उनके द्वार के नजदीक सारी चिकित्सकीय सुविधाएं मिले। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व महापौर नीरज पाल के मंशानुरूप आयुक्त प्रकाश सर्वे ने जोन के विभिन्न वार्डों के लोगों को इस योजना का लाभ दिलाने वार्डों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर लगवा रहे हैं। निगम का स्वास्थ्य विभाग मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत मोबाइल मेडिकल युनिट श्रमिक बस्तियों में जाकर अपनी चिकित्सकीय सेवा लगातार दे रही है। इसमें सभी वर्ग व उम्र के लोग अपनी बस्ती में अपने घर के समीप लगे कैंप में आकर नि:शुल्क जांच कराकर दवाइयां ले रहे हैं। इस योजना का अच्छा प्रतिसाद भी मिल रहा है। आयुक्त प्रकाश सर्वे ने आज मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य शिविर के तहत वार्ड 5 कोसा नगर में लगाए गए दाई-दीदी क्लीनिक का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मोबाइल मेडिकल यूनिट की दी जा रही सुविधा, दवाई आदि की जानकारी ली और शिविरों में अधिक से अधिक मरीजों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। दाई-दीदी क्लीनिक में किशोरी बालिकाओं व माताओं के हीमोग्लोबिन की जांच की गई। इसमें जांच कराने के लिए बालिकाओं को प्रोत्साहित किया गया। वहीं जोन 3 क्षेत्र के वार्ड 35 शारदापारा के आशादीप कॉलोनी व जोन 2 वैशाली नगर के प्रेम नगर में भी मोबाइल मेडिकल यूनिट के स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। कोसा नगर में 101 किशोरी व माताओं, आशादीप में 102 व प्रेम नगर में 101 लोगों ने उपचार कराया। आज लगे तीनों शिविर में कुल 304 लोगों ने इलाज कराए। 193 लोगों को नि:शुल्क दवाइयां दी गई।

कपड़े का पूरा सेट, बर्तन सेट जैसे दैनिक जरूरत की व्यवस्था की भी है पूरी तैयारी, प्रभावितों के लिए पूरे इंतजाम देखने पहुंचे मेयर एवं कमिश्नर

महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर प्रभावित परिवारों के लिए हुई टीन शेड की व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 9 अप्रैल को सूर्या नगर की बस्ती में आग लगने के बाद से निगम प्रशासन प्रभावित परिवार को राहत देने जुटा हुआ है। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे लगातार बस्ती के पुन: व्यवस्थापन के लिए मौके पर रहकर ही सभी तरह से प्रयास कर रहे हैं। इधर महापौर नीरज पाल के निर्देश से निगम प्रशासन ने बांस, बल्ली उपलब्ध कराने के बाद प्रभावित परिवारों को टीन शेड की भी व्यवस्था कर दी है, विगत रात्रि को महापौर की मौजूदगी में टीन शेड बस्ती में पहुंच गई।

लगभग 2000 टीन शेड की व्यवस्था की गई है। आग लगने के बाद से सबसे ज्यादा जरूरी व्यवस्था प्रभावितों को फिर से अपना आशियाना तैयार करने की थी, महापौर नीरज पाल ने इन आवश्यकताओं को समझते हुए और प्रभावितों से मिलकर उनसे बात करके उनकी आवश्यकता के अनुरूप सुविधा मुहैया कराया है। वही नाश्ता, भोजन, पानी से लेकर तमाम जरूरी व्यवस्थाएं स्पॉट पर ही की जा रही है। सूर्या नगर बस्ती में अधिकतर स्थानों पर बांस, बल्ली लगाया जा चुका है, इन सभी प्रभावित परिवारों के लिए टीन शेड का वितरण आज महापौर की मौजूदगी में हुआ, ताकि पूर्ण रूप से प्रभावित परिवार अपना घर खड़ा कर सकें। बास और बल्ली के सहारे लगभग 95त्न स्ट्रक्चर सूर्या नगर में खड़ा हो चुका है। प्रभावित परिवारों के लिए गद्दा, तकिया, चादर, पंखा, गैस चूल्हा, गिलास, थाली, लोटा बाल्टी, महिलाओं तथा पुरुषों के लिए कपड़े का पूरा सेट और भी जरूरत की चीजों को देने की तैयारी की जा रही है, प्रभावित परिवारों को उनकी आवश्यकता को देखते हुए राहत सामग्री के पूरे किट की तैयारी की जा रही है। जिसका जायजा महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त प्रकाश सर्वे ने लिया।

इस दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी मौजूद रहे। इधर लगातार सूर्या नगर में महापौर नीरज पाल, निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, एमआईसी मेंबर एकांश बंछोर, मदर टेरेसा नगर के जोन अध्यक्ष संतोष नाथ सिंह उर्फ जालंधर, पार्षद इंजीनियर सलमान, उपायुक्त सुनील अग्रहरि, जोन आयुक्त येशा लहरें आदि प्रभावित परिवारों के पुन: व्यवस्थापन के लिए दिन-रात मौके पर डटे हुए हैं।

प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने के लिए लगभग सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है, आधार कार्ड एवं राशन कार्ड फिर से बनाने के लिए कैंप लगाकर दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद करने के लिए सारे प्रयास किए जा रहे हैं। महापौर के अपील के बाद इधर समाजसेवी आगे बढ़कर प्रभावित परिवारों की मदद करने के लिए आगे आ रहे हैं। निगम इन सभी समाजसेवियों को प्रभावित परिवारों की मदद के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता है।

सर्वे सूची का प्रकाशन, दावा 30 तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। प्रदेश सरकार द्वारा नगरीय निकाय और ग्रामीण स्तर पर कराए जा रहे अन्य पिछड़ा वर्ग व आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। रिसाली नगर पालिक निगम क्षेत्र के 40 वार्डों की सूची का प्रकाशन 12 अप्रैल को किया गया। पार्षद व नागरिक सूची का अवलोकन श्याम नगर स्थित टंकी कार्यालय में कर सकते है। साथ ही सूची में संशोधन के लिए हितग्राही 19 से 30 अप्रेल के मध्य आवश्यक दस्तावेज के साथ दावा आपत्ती कर सकते है। निगम आयुक्त आशीष देवांगन ने निर्देश दिए है कि आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुरैना, डुंडेरा, जोरातराई, नेवई वार्डों की सूची का चस्पा वार्ड कार्यालय में किया जाए। दावा आपत्ति के लिए हितग्राही आवेदन पत्र के साथ मोबाइल नंबर व परिवार के सद्स्यों का आधार कार्ड और राशन कार्ड की छायाप्रति अवश्य जमा करे।

बच्चों ने गुल्लक में जमा राशि आगजनी से प्रभावित परिवार के बच्चों के लिए किया दान

बच्चों के सोच-विचार की अच्छी पहल, मदद के लिए नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी बढ़ाया हाथ, इन बच्चों से सीखनी होगी प्रेरणा

महापौर नीरज पाल, लोक कर्म प्रभारी एकांश बंछोर ने बच्चों की पहल की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम के श्याम नगर में दो दिन पहले हुई आगजनी की घटना से उत्पन्न मौजूदा स्थिति ने बच्चों के अंतर्निहित मानवीय गुणों को सामने ला दिया है। इस घटना से कैंप- 2 की रहने वाले जैन परिवार के बच्चे इतना विचलित हुए हैं कि आज उन्होंने अपने पिगी बैंग (गुल्लक) को लेकर प्रभावित परिवार के बच्चों के लिए दान करने मौके पर पहुंच गए। कैंप 2 लिंक रोड की रहने वाले तनय जैन, कृतिका जैन और रक्षा जैन अपने पापा के साथ दोपहर को श्याम नगर वार्ड स्थित सूर्या नगर बस्ती पहुंचे थे। जहां उन्होंने महापौर नीरज पाल को अपना पिगी बैंक (गुल्लक) सौंपा और प्रभावित परिवार के बच्चों के लिए चाकलेट, बिस्किट पर खर्च करने का आग्रह किया है। महापौर ने बच्चों की इस पहल की सराहना की है। बच्चों से करीब 15 मिनट तक चर्चा की। उनके आग्रह पर महापौर ने सभी बच्चों को उनकी मौजूदगी में चाकलेट बंटवाने की बात कही। इधर आज जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर दूसरे दिन भी सूर्या नगर घटनास्थल पर पहुंचे, इनके साथ एमआईसी मेंबर तथा राजस्व प्रभारी सीजू एंथोनी और सामान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी संदीप निरंकारी भी मौजूद थे, महापौर नीरज पाल के साथ उन्होंने मिलकर बच्चों को बिस्किट, चॉकलेट और जरूरी खाद्य सामग्री दी और टीन शेड का वितरण प्रभावित परिवारों को किया।

घरों को जलता देख विचलित हो गया था तनय

अरिहंत इंटरप्राइजेस के संचालक व तनय जैन के पापा निर्मल जैन बताते हैं कि आगजनी की घटना के समय वे परिवार के साथ छत पर थे। घरों को जलता हुआ देख तनय इतना विचलित हुआ है कि उसने कहा कि, पापा आप कुछ मदद करते क्यों नहीं हो? बेटे का सवाल सुनकर मैं कुछ देर के लिए चुप रहा। फिर समझाया कि बेटा आग पूरी बस्ती में फैल गई है। फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने का काम कर रही है।

अभी वहां पर हमारा जाना उचित नहीं है। आग पर काबू पा लेने के बाद हम वहां जाकर मदद करेंगे। इतने में तनय ने कहा कि मेरा गुल्लक भरा हुआ है। उसे बच्चों के लिए चाकलेट, बिस्किट के लिए दे देना, मैंने कहा ये अच्छी बात है। आप अपनी बहनों के साथ मौके पर जाना और गुल्लक खुद देकर आना है। आज अपनी बहनों के साथ मौके पर गए थे। जहां महापौर नीरज पाल, एमआईसी लोक कर्म विभाग के प्रभारी एकांश बंछोर, जोन 3 के जोन अध्यक्ष जालंधर सिंह,पार्षद इंजीनियर सलमान से मुलाकात कर अपना गुल्लक सौंपा।

खास खबर

कस्टम मिलिंग के लिए अब तक 97.66 लाख मीटरिक टन धान का उठाव

रायपुर। राज्य में कस्टम मिलिंग के लिए 11 अप्रैल तक 97.66 लाख मीटरिक टन धान का उठाव हो चुका है। राज्य सरकार द्वारा केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में भी तेजी से काम किया जा रहा है। अब तक केन्द्रीय पूल में 35.85 लाख मीटरिक टन चावल जमा कराया जा चुका है, जिसमें भारतीय खाद्य निगम में 18.97 लाख मीटरिक टन और नागरिक आपूर्ति निगम में 16.88 लाख मीटरिक टन चावल शामिल है। खाद्य सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर इस वर्ष धान खरीदी के साथ ही उठाव एवं कस्टम मिलिंग का काम तेजी शुरू करा दिया गया था। राज्य में अब तक डीओ और टीओ के माध्यम से 97.66 लाख मीटरिक टन धान का रिकार्ड उठाव हो चुका है। वर्मा ने बताया कि 75 लाख 07 हजार मीटरिक टन धान का डीओ जारी कर दिया गया है। उपार्जन केन्द्रों से मिलर्स द्वारा 74 लाख 76 हजार मीटरिक धान का उठाव कर लिया गया है। इसी प्रकार 23 लाख 9 हजार मीटरिक टन धान के परिवहन के लिए टी.ओ. जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध समितियों से 22 लाख 91 हजार मीटरिक टन धान का उठाव हो चुका है। इस साल केन्द्रीय पूल में 61.65 लाख मीट्रिक टन अरवा चावल जमा कराया जाना है। उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में पंजीकृत 21 लाख 77 हजार किसानों से समर्थन मूल्य पर लगभग 98 लाख मीटरिक टन धान की खरीदी की गई है। धान खरीदी की एवज में किसानों को बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत लगभग 20 हजार करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष प्रदेश के 1 लाख 24 हजार अर्थात् 6 प्रतिशत अधिक किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर धान विक्रय किया गया।

राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन 25 से 27 अप्रैल तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग के द्वारा रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता इस माह के 25 अप्रैल से शुरू होकर 27 अप्रैल तक चलेगी। कार्यक्रम में 26 अप्रैल को विशेष सूर्य नमस्कार और अन्य योगाभ्यास कराए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लिंक- https://forms.gle/Ee&UexUy&acHDyHDA के माध्यम से पंजीयन किया जा सकता है। प्रतियोगिता में महिला और पुरुष श्रेणी में तीन आयु वर्ग तय हैं। प्रतिभागी 15 वर्ष से कम, 15 से 19 वर्ष और 19 से अधिक वर्ष के आयु वर्ग में भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता एकल और समूह दोनों वर्गो में होगी, जिसके लिए पृथक-पृथक पंजीयन करना होगा। समूह में भाग लेने के लिए एक समूह में 05 से 12 सदस्य भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त 26 अप्रैल को सूर्य नमस्कार और योगाभ्यास के लिए अलग से पंजीयन किया जा सकता है। पूर्व में आवेदन कर चुके प्रतिभागियों को दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

अन्य पिछड़े वर्गों तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के सर्वेक्षण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 25 अप्रैल 2022 की गई

रायपुर। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा राज्य की जनसंख्या में अन्य पिछड़े वर्गों तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के सर्वेक्षण की तिथि में वृद्धि करते हुए 25 अप्रैल 2022 अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। क्वांटिफायबल डाटा आयोग के सचिव ने पंचायत विभाग के आयुक्त और संचालक नगरीय प्रशासन को पत्र प्रेषित कर सर्वेक्षण की अंतिम तिथि में वृद्धि की जानकारी दी है। उन्होंने पत्र के माध्यम से उन्हें यह भी अवगत कराया है कि सर्वेक्षण की अंतिम तिथि में वृद्धि के कारण सर्वेक्षण हेतु नवीन समयबद्ध कार्यक्रम पृथक से जारी किया जाएगा। आयोग द्वारा 26 मार्च 2022 को सर्वेक्षण हेतु जारी किया गया समयबद्ध कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। पूर्व में सर्वेक्षण की अंतिम तिथि 30 मार्च निर्धारित की गई थी। आयोग द्वारा सर्वेक्षण कार्य हेतु नोडल विभागों नगरीय प्रशासन विभाग तथा पंचायत विभाग को 25 अप्रैल तक सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

माता कर्मा के रास्ते पर चलकर सामाजिक संगठन को और अधिक मजबूत बनाएं : भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री भक्त माता कर्मा जयंती समारोह में हुए शामिल

समाज को जोड़ने के लिए कार्य करने किया आव्हान

साहू समाज के सामाजिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए की दी स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सूरजपुर में आयोजित भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने सूरजपुर के माता कर्मा चौक में जयंती महोत्सव को सम्बोधित करते हुए कहा कि संगठन एवं समर्पण में ही शक्ति है। उन्होंने भक्त माता कर्मा के रास्ते पर चलकर सामाजिक संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, समाज को जोड़ने और सामाजिक विषमता को दूर करने के लिए कार्य करने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री ने इसके पहले कर्मा धाम में भक्त माता कर्मा मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने माता कर्मा ध्वज का ध्वजारोहण किया। श्री बघेल ने कार्यक्रम में साहू समाज के सामाजिक भवन के निर्माण के लिए 20 लाख रूपए की मंजूरी की घोषणा भी की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री बघेल का साहू समाज द्वारा सम्मान किया गया।

मुख्यमंत्री बघेल ने समारोह को सम्बोधित करते हुए सभी लोगों को भक्त माता कर्मा जयंती की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने माता कर्मा के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि हमारे मन में अटूट विश्वास, श्रद्धा और समर्पण है, तो कोई भी ऐसा लक्ष्य नहीं है, जिसे हासिल न किया जा सके। माता कर्मा ने यह साबित किया था कि भक्त की श्रद्धा में यह शक्ति है कि भगवान को भी प्रकट होने पर विवश कर दे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है, लेकिन इसके बाद कोरोना संकट के कारण भक्त माता कर्मा जयंती के समारोहों का आयोजन विगत दो वर्षों से नहीं किया जा सका। अब स्थिति सामान्य होने पर फिर से सार्वजनिक और धार्मिक आयोजन शुरू हो गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ भक्त माता कर्मा जयंती का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि हालांकि इस समारोह का आयोजन साहू समाज द्वारा किया जाता है, लेकिन गांव के सभी समाज के लोग इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। छत्तीसगढ़ में जयंती समारोह के दौरान गांवों में कलश यात्रा और शोभा यात्रा निकालने की भी परंपरा है। इसके माध्यम से भक्त माता कर्मा, भगवान कृष्ण और बलभद्र का स्मरण करते हैं। भगवान जगन्नाथ के भोग के रूप में खिचड़ी का प्रसाद भी वितरित किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठन और समर्पण में शक्ति होती है, हमें भक्त माता कर्मा के रास्ते पर चलते हुए समाज को जोड़ने और समाज में कटुता को दूर कर सामाजिक समरसता और भाई-चारे के लिए काम करना है।

नगरीय प्रशासन एवं जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, सरगुजा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष खेल साय सिंह, संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े ने इस अवसर पर भक्त माता कर्मा जयंती की शुभकामनाएं देते हुए सभी के लिए मंगल कामना की। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठन, समरसता और भाई-चारे का वातावरण बनाकर रखें और संगठन को मजबूत बनाकर आगे बढ़ें।

इस मौके पर अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी मरावी, तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष संदीप साहू, सूरजपुर जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, सूरजपुर नगर पालिका अध्यक्ष के. के. अग्रवाल और भगवती राजवाड़े सहित अनेक जनप्रतिनिधि, साहू समाज के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

रेशमी धागों से संवर रही जिंदगी: बिहान में कोसा धागाकरण बना आय का जरिया

स्व-सहायता समूह की मासिक आय 70 हजार रुपए से ज्यादा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं और उन्हें रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसकी एक बानगी कोरबा में देखने को मिलती है, जहां महिलाएं रेशम के धागों से अपनी जिंदगी की कहानी नए सिरे से बुन रही हैं। यहां राष्ट्रीय आजीविका मिशन बिहान के तहत स्व-सहायता समूह की महिलाएं कोसा फल से धागे निकालकर उन्हें रेशम बैंक में बेच रही हैं और हर महीने 70 हजार रुपये से ज्यादा लाभ कमा रही हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने अनेक प्रयास कर रही है। राज्य सरकार गांव के विकास से छत्तीसगढ़ के विकास को दृष्टिगत रखते हुए काम कर रही है। इसी कड़ी में महिलाओं को आर्थिक रूप से संबल और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। इन सरकारी प्रयासों से का परिणाम है कि कभी आर्थिक तंगी से जूझ रहीं कोरबा जिले के कटघोरा ब्लॉक की महिलाएं अब परिवार को आर्थिक रूप से मदद करने में सक्षम हो चुकी हैं। यहां ग्राम पंचायत सलोरा (क) की महिलाओं ने स्व-सहायता समूह बनाकर काम करना शुरू किया। स्व-सहायता समूह की इन महिलाओं को रेशम विभाग द्वारा कोसा से रेशम धागा निकालने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा विभाग की ओर से धागा निकालने के लिए कोसा धागाकरण मशीन भी दिया गया।

स्व-सहायता समूह से जुड़ीं संतोषी बाई तंवर ने बताया कि समूह की प्रत्येक सदस्य दिन में 200 से 250 रूपये तक का कोसा धागा निकाल लेती हैं। इस प्रकार समूह की 10 महिलाएं एक महीने में 70 हजार रूपये से ज्यादा का कोसा धागा निकालकर रेशम बैंक में बेच रही हैं। विभागीय सहयोग से मिले मशीन से महिलाओं का कोसा धागा निकालने का काम भी सरल हो गया है। रेशम बैंक, रेशम विभाग द्वारा समूह की महिलाओं को कोसा से धागा निकालने के लिए कोसा फल दिये जाते हैं। समूह की सदस्यों का कहना है कि कोसा धागाकरण कार्य से वह आत्मनिर्भर हो गई हैं और स्वाभिमानी जीवन व्यतीत कर रही है। यह सब बिहान योजना की देन है। बिहान योजना से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में खुशहाली आ रही है।

चने के रकबे में 52 हजार हेक्टेयर की रिकार्ड वृद्धि

छत्तीसगढ़ में 4.15 लाख हेक्टेयर में हो रही चने की खेती

रायपुर। राज्य में चने की खेती को लेकर किसानों का रूझान बढ़ा है। इस साल रबी सीजन में 4 लाख 15 हजार 650 हेक्टेयर में चने की खेती की जा रही है, जो कि बीते वर्ष राज्य में हुई चने की खेती के रकबे से लगभग 52 हजार हेक्टेयर अधिक है। एक साल के दौरान चने के रकबे में यह वृद्धि बीते सालों की औसत वृद्धि से 5 गुना से भी अधिक है।

छत्तीसगढ़ में रबी वर्ष 2017-18 में चने की खेती 3 लाख 35 हजार हेक्टेयर में होती थी, जिसमें साल दर साल औसत रूप से 10 हजार हेक्टेयर की बढ़ोत्तरी हुई और बीते रबी सीजन वर्ष 2020-21 में इसकी खेती का रकबा 3 लाख 36 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया। इस साल राज्य में किसानों ने चने की खेती में अच्छी खासी रूचि दिखाई है, जिसके चलते इसका रकबा इस साल बढ़कर 4 लाख 15 हजार 650 हेक्टेयर हो गया है। चने के रकबे में एकाएक 52 हजार हेक्टेयर की वृद्धि एक सुखद संकेत है। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीति के चलते कृषि के क्षेत्र में तेजी से बदलाव आया है। किसानों में खुशहाली बढ़ी है। यही वजह है कि किसान अब दलहन, तिलहन, फल-फूल और सब्जी की खेती को तेजी से अपनाने लगे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान न्याय योजना से समय-समय पर मिल रही इनपुट सब्सिडी की राशि ने किसानों को कृषि के क्षेत्र में नवाचार करने एवं फसल विविधिकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

छत्तीसगढ़ राज्य में इस साल चने की खेती में सर्वाधिक 28 हजार हेक्टेयर की वृद्धि दुर्ग संभाग के जिलों में हुई है। दुर्ग संभाग के बालोद जिले में इसका रकबा 9230 हेक्टेयर से बढ़कर 16170 हेक्टेयर हो गया है, जो बीते वर्ष की तुलना में पौने दो गुना अधिक है। रायपुर संभाग के जिलों में भी चने की खेती की ओर किसानों का रूझान बढ़ा है। इस संभाग के जिलों में चने की खेती की रकबे में दो गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। रायपुर, बलौदाबाजार, गरियाबंद, महासमुंद, धमतरी जिले में बीते रबी सीजन में 15820 हेक्टेयर में चने की खेती की गई थी, जो इस साल 17500 हेक्टेयर की वृद्धि के साथ 32340 हेक्टेयर तक पहुंच गई है। महासमुंद जिले में चने की खेती को लेकर किसानों का जुड़ाव बेहद आश्चर्यजनक रहा है। महासमुंद में अभी तक औसत रूप से 100-125 हेक्टेयर में चने की खेती होती थी। बीते रबी सीजन में तो इस जिले में मात्र 30 हेक्टेयर में किसानों ने चना लगाया था। इस साल इसका रकबा 5000 हेक्टेयर से पार पहुंच गया है। बीते वर्ष धमतरी जिले में 2730 हेक्टेयर में चने की खेती हुई थी, जबकि इस साल 10 हजार से अधिक रकबे में किसान चने की खेती कर रहे हैं। राज्य के बिलासपुर संभाग में भी चने के रकबे में इस साल लगभग 4 हजार हेक्टेयर, सरगुजा संभाग के जिलों में 1800 हेक्टेयर तथा बस्तर अंचल के जिलों में चने के रकबे में 1700 हेक्टेयर से अधिक की वृद्धि हुई है।

अमलेश्वर को नगर पंचायत का दर्जा मिलने पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में अमलेश्वर को नगर पंचायत का दर्जा दिए जाने पर क्षेत्र के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर मुलाकात की और उनका आभार जताया। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की सीमा से लगे दुर्ग जिले की ग्राम पंचायत अमलेश्वर को नगर पंचायत का दर्जा दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से ग्रामीणों ने मुलाकात के दौरान उनकी पहल पर क्षेत्र वासियों की बहुप्रतिक्षित मांग के शीघ्रता से पूरा होने पर भरपूर खुशी का इजहार किया। इस दौरान मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि अमलेश्वर को ग्राम पंचायत से नगर पंचायत का दर्जा मिलने पर वहां क्षेत्र के विकास में और गति आएगी। इस अवसर पर अमलेश्वर और आस-पास के ग्रामों के ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नरवा, गरूवा, घुरूवा एवं बाड़ी से संबंधित कार्यो की प्रगति पर होगी चर्चा

पंचायतों के विगत तिमाही के आय-व्यय की होगी समीक्षा

भूमिहीन परिवारों का ग्राम सभा के माध्यम से होगा सत्यापन

14 अप्रैल 2022 से ग्रामसभा की बैठक का आयोजन होगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार ने समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और मुख्य कार्यपालन अधिकारी को 14 अप्रैल 2022 से ग्रामसभा की बैठक का आयोजन करने के संबंध में दिशा-निर्देश दिये है। ज्ञात हो कि छत्तीगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा-6 में ग्रामसभा का प्रत्येक तीन मास में कम से कम एक सम्मेलन आयोजित करने का प्रावधान है। इसके अनुसार निर्धारित तिथियों 23 जनवरी, 14 अप्रैल, 20 अगस्त एवं 2 अक्टूबर के अतिरिक्त प्रतिवर्ष माह जून एवं नवम्बर में सुविधाजनक तिथियों में प्रत्येक ग्राम में ग्राम सभा का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाना है।

ग्रामसभा में पंचायतों के विगत तिमाही के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुगोदन, पिछली छ:माही में विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत कार्य के नाम, प्राप्त राशि, स्वीकृत राशि, व्यय राशि एवं कार्य की अद्यतन स्थिति का वाचन और आगामी वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए ग्राम पंचायत विकास योजना की रूपरेखा तैयार किये जाने के संबंध में चर्चा किया जाये। विगत वर्ष में किए गए मिशन अन्त्योदय सर्वे का अवलोकन कर अनुमोदन लिया जाये। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना से संबंधित जिलों की ग्राग पंचायतों में रोजगार गारंटी योजना में ग्रामीण परिवारों द्वारा रोजगार की मांग तथा उपलब्ध कराये गये रोजगार की स्थिति की समीक्षा की जाए। ग्राम गौठानों के प्रबंधन एवं संचालन के संबंध में तथा सुराजी ग्राम योजना के तहत नरवा, गरूवा, घुरूवा एवं बाड़ी से संबंधित कार्यो की प्रगति के संबंध में चर्चा की जाए।

इसी तरह सामाजिक सहायता कार्यकम अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण एवं हितग्राहियों का सत्यापन के संबंध में कार्यवाही किया जाये। ग्रामीण सचिवालय के संचालन पर विशेष रूप से चर्चा की जाये। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत शासकीय उचित मूल्य की दुकानों, लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित अभिलेखों का सामाजिक अंकेक्षण कराया जाए। जरूरतमंद व्यक्तियों के लिये पंचायतों द्वारा वितरित खाद्यान्न एवं उसके लाभान्वितों के नामों का वाचन किया जाये। जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित प्रकरणों के लंबित, निराकृत एवं वितरित प्रमाण पत्रों की जानकारी दी जाये। महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अमले के माध्यम से जागरूक किया जाए।

ग्रामसभा में पोषण अभियान के संबंध में चर्चा किया जाए। जल जीवन मिशन कार्यकम अंतर्गत ग्राम के प्रत्येक घर, शाला, आंगनबाड़ी केन्द्र, आश्रम शाला. उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक केन्द्र आदि में जल प्रदाय योजना द्वारा शुद्ध जल प्रदान किया जाए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

सावधानः सेहत का दुश्मन हैं फ्रोजन फूड आइटम्स बढ़ा देते हैं इन जानलेवा बीमारियों का जोखिम

हम सभी लगातार स्वस्थ आहार के सेवन की आवश्यकताओं और इसके लाभ के बारे में सुनते और पढ़ते आ रहे हैं। पर क्या आप जानते हैं कि आहार के साथ उसके संरक्षण का तरीका भी सेहत को प्रभावित कर सकता है? जैसे कि अध्ययनों में प्रोसेस्ड और फ्रोजन फूड आइटम्स से परहेज करने की सलाह दी जाती है। बे-मौसम मिलने वाली कई चीजों को अक्सर लंबे समय पर फ्रेश बनाए रखने के लिए कुछ रसायनों के साथ फ्रीज में रख दिया जाता है। गर्मियों में मटर, सर्दियों में आम, सोया चाप, फ्रोजन मटर, फ्रोजन पराठा आदि ऐसे ही कुछ खाद्य पदार्थ हैं जिनका अगर लगातार सेवन किया जाए तो इससे सेहत को कई तरह से नुकसान हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि फ्रोजन फूड आइटम्स दीर्घकालिक तौर पर कई जानलेवा बीमारियों का भी कारण बन सकते हैं। ऐसे में ये चीजें आपके लिए किसी भी रूप में स्वास्थ्यप्रद विकल्प बिल्कुल नहीं हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक हमेशा ताजी चीजों के ही सेवन को प्राथमिकता देनी चाहिए। आइए जानते हैं कि फ्रोजन खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन आपकी सेहत को किस तरह से नुकसान पहुंचा सकता है?

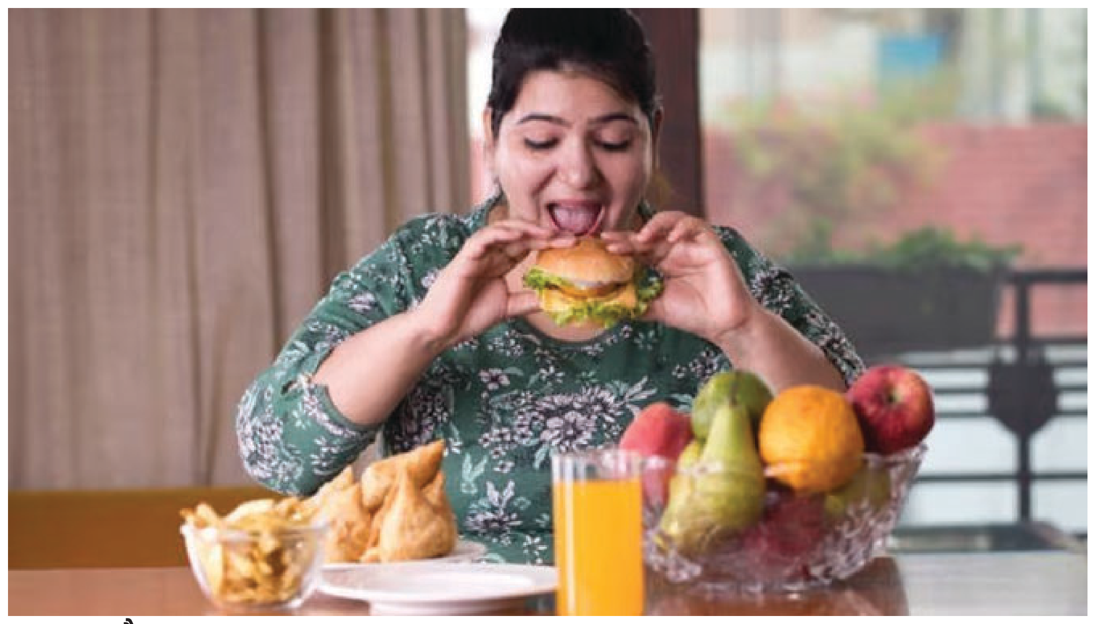

बढ़ सकता है ब्लड शुगर का लेवल

फ्रोजन फूड आइटम्स से सबसे अधिक जोखिम डायबिटीज रोगियों के लिए होता है। फ्रीजिंग के समय खाद्य पदार्थों को ताजा रखने के लिए स्टार्च का उपयोग किया जाता है। स्टार्च भोजन में स्वाद और खाद्य पदार्थों को फ्रेश बनाए रखने में मदद करते हैं। पाचन के दौरान स्टार्च, शुगर में परिवर्तित हो जाता है। ऐसे में फ्रोजन फूड्स ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाकर मधुमेह रोगियों की समस्या को बढ़ा सकते हैं।

हृदय रोग का खतरा

पैक्ड या फ्रोजन खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट होता है जो हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ाते हैं। इस प्रकार के फैट धमनियों में जमा होने लगते हैं जिससे रक्त का संचार प्रभावित हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि फ्रोजन खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करना बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को भी बढ़ा देता है, जिसे हृदय रोगों का कारक माना जाता है। कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने का प्रयास किया जाना चाहिए।

बढ़ सकता है वजन

बढ़ते वजन को कई तरह की गंभीर बीमारियों का कारण माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ प्रोसेस्ड और फ्रोजन फूड आइटम्स के अधिक सेवन को वजन बढ़ाने वाला कारक मानते हैं। फ्रोजन आइटम्स में वसा की मात्रा अधिक होती है। यही वजह है कि ये कैलोरी में अधिक होते हैं और मोटापा बढ़ा देते हैं। इसके अलावा भोजन को लंबे समय तक फ्रीज करने से वस्तुओं में मौजूद कुछ महत्वपूर्ण विटामिन्स और खनिज भी नष्ट हो सकते हैं। इसलिए इन्हें पौष्टिक नहीं माना जाता है।

कैंसर का बन सकते हैं कारक

कई शोध में इस बात का भी जिक्र मिलता है कि फ्रोजन फूड आइटम्स अग्नाशयी कैंसर का जोखिम बढ़ा देते हैं। आमतौर पर फ्रोजन खाद्य पदार्थों में उपयोग किए जाने वाले प्रीजर्वेटिव्स के कारण कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है। हालांकि इस तथ्य की पुष्टि के लिए और विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन बहुत कम करें, और इन्हें उपयोग में लाने से पहले अच्छी तरह से पानी से धोएं जरूर।

स्ट्रेंजर थिंग्स पहले से कहीं ज्यादा डरावना होने वाला है चौथा सीजन

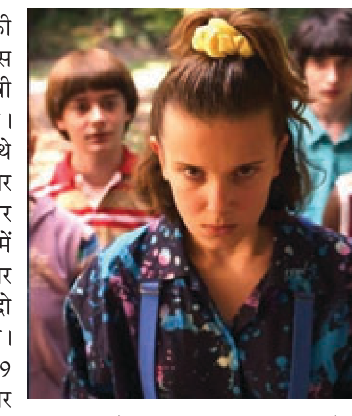

स्ट्रेंजर थिंग्स नेटफ्लिक्स की बेहद चर्चित सीरीज है। फैंस इसके चौथे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। नेटफ्लिक्स ने इसके चौथे सीजन का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज कर दिया है और इसकी रिलीज डेट के बारे में भी जानकारी दी है। स्ट्रेंजर थिंग्स का चौथा सीजन दो पार्ट में रिलीज किया जाएगा। चौथे सीजन में कुल 9 एपिसोड होने वाले हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद फैंस काफी उत्साहित हैं। चौथे सीजन का वॉल्यूम दो 1 जुलाई को अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज होगा।

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए ट्रेलर के बारे में नेटफ्लिक्स ने लिखा है- क्या आप इसे सुन सकते हैं? ये हमारे चिल्लाने की आवाज है। नेटफ्लिक्स ने आगे लिखा- स्ट्रेंजर थिंग्स सीजन 4 वॉल्यूम वन 27 मई को आ रहा है। चौथे सीजन के ट्रेलर की शुरूआत एक डरावनी आवाज के साथ होती है। इसमें कहा गया है- आपने सब तोड़ दिया है...आपका दर्द लगभग खत्म होने वाला है। इसके बाद ट्रेलर में दिखाया गया है कि जॉयस और बायर्स केलिफोर्निया में हैं। यहीं पर इस कहानी का एक बड़ा भाग दिखाया गया है। इसके अलावा ट्रेलर में कहानी को कई लोकेशन पर सेट किया गया है।

ट्रेलर देखने से लगता है कि मानव-डेमोगोर्गन हाइब्रिड के रूप में अपने सबसे बुरे सपने का सामना करने जा रहा है। चौथे सीजन का ट्रेलर आने के बाद इसके फैंस खुशी के मारे पागल हो रहे हैं। एक फैन ने लिखा- ट्रेलर देखकर रोंगटे खड़े हो गए। दूसरे ने कहा- ऐसा ट्रेलर जिसका मैंने काफी लंबे समय से इंतजार किया। अन्य ने लिखा- ये सीजन सारे रिकॉर्ड तोड़ देगा।

बता दें कि स्ट्रेंजर थिंग्स की शुरुआत 2016 में हुई थी। इस साल इसका पहला सीजन आया था। पहले सीजन में आठ, दूसरे सीजन में नौ और तीसरे सीजन में भी नौ एपिसोड हैं। इसके सभी सीजन फैंस ने खूब पसंद किए हैं और अब उन्हें चौथे पार्ट का इंतजार है।

लिवर को कमजोर कर देती हैं जीवनशैली की ये आदतें, अभी से कर लें सुधार वरना हो जाएंगे बीमार

लिवर, शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। यह हार्मोन उत्पादन से लेकर पाचन को बेहतर बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करता है। शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और पोषक तत्वों का भंडारण करने में भी इस अंग की विशेष भूमिका मानी जाती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को ऐसी जीवनशैली और आहार के सेवन की सलाह देते हैं जो लिवर को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक हो सकें। लिवर में होने वाली समस्याओं का असर पूरे शरीर की सेहत को प्रभावित कर सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक जीवनशैली और आहार संबंधी गड़बड़ी के कारण पिछले एक दशक में लोगों में लिवर से संबंधित कई तरह की गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ गया है। लिवर में सूजन से लेकर सिरोसिस और गंभीर मामलों में लिवर फेलियर तक की समस्या भी देखी जा रही है। डॉक्टर्स की मानें तो अगर हम दैनिक आदतों पर ही ध्यान दे लें तो इस अंग को स्वस्थ रखने और कई तरह की गंभीर बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। आइए उन आदतों के बारे में जानते हैं जिन्हें लिवर की सेहत के लिए काफी नुकसानदायक माना जाता है।

लिवर की दुश्मन है शराब

शराब पीने की आदत आपकी सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकती है। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव लिवर पर होता है। अल्कोहल, लिवर के सामान्य कामकाज में समस्याओं का कारण बन सकता है, जिसके कारण लिवर में सूजन, लिवर सेल डैमेज और फैटी लिवर जैसी समस्याओं का खतरा काफी अधिक बढ़ जाता है। लिवर को स्वस्थ रखने के लिए शराब से बिल्कुल दूरी बनाकर रखना चाहिए।

रांस फैट का अधिक सेवन

अध्ययनों से पता चलता है कि लिवर को स्वस्थ रखने के लिए अपने आहार को स्वस्थ रखना विशेष महत्वपूर्ण होता है। ट्रांस फैट वाली चीजों का अधिक सेवन इस अंग को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है। पोल्ट्री, अंडे और कुछ डेयरी उत्पादों में ट्रांस फैट की मात्रा अधिक होती है। फास्ट फूड्स, पैक्ड फूड आइटम्स और प्रोसेस्ड फूड्स में भी इस प्रकार के फैट की मात्रा ज्यादा होती है। इन चीजों का अधिक सेवन आपके लिवर को कमजोर कर सकता है।

कम पानी पीने से लिवर की बीमारियों का खतरा

यदि आप भी कम मात्रा में पानी पीते हैं तो सावधान हो जाइए, यह आदत डिहाइड्रेशन की समस्या के साथ लिवर की बीमारियों को भी बढ़ावा दे सकती है। उचित मात्रा में पानी पीते रहने से रक्त पतला रहता है और लिवर के लिए इसे फिल्टर करना और विषाक्त पदार्थों को निकालना आसान हो जाता है। पानी की कमी पाचन को भी नुकसान पहुंचा सकती है। कोशिश करें कि दिन में भी कम से कम 3-4 लीटर पानी जरूर पिएं।

अधिक चीनी का सेवन नुकसानदायक

कुछ शोध बताते हैं कि अधिक मात्रा में चीनी का सेवन सिर्फ डायबिटीज ही नहीं, लिवर की बीमारियों का भी कारण बन सकता है। फरुक्टोज के रूप में चीनी की अधिक मात्रा लिवर की कोशिकाओं को क्षति पहुंचा सकती है। यह कई तरह के हार्मोन्स के उत्पादन को भी प्रभावित कर देती है। शर्करा की मात्रा फैट में परिवर्तित हो जाती है जिसके कारण कई प्रकार के यकृत रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

हाथ-पैर दबाने से निकलती है डकार तो यह गैस नहीं, मानसिक स्वास्थ्य की है समस्या

पेट में गैस बनने की समस्या लोगों में काफी सामान्य है। इसे मुख्यरूप से जीवनशैली में गड़बड़ी और कुछ स्थितियों में अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होने वाली दिक्कतों के तौर पर जाना जाता है। कई स्थितियां, जैसे अधिक शराब पीना, पाचन की दिक्कत, मसालेदार भोजन या धूम्रपान करने के कारण लोगों में यह समस्या हो सकती है। पर कई लोगों को आपने देखा होगा कि जब वह हाथ-पैर या सिर दबाते हैं तो इसके प्रतिक्रिया के रूप में उन्हें तेज आवाज के साथ डकार आती है। आमतौर पर इसे गैस निकलना माना जाता है, जिसके लिए वह तरह-तरह की दवाइयां खाते रहते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि हाथ-पैर दबाने से आने वाली डकार की समस्या का पेट की गैस से कोई संबंध ही नहीं है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कत है?

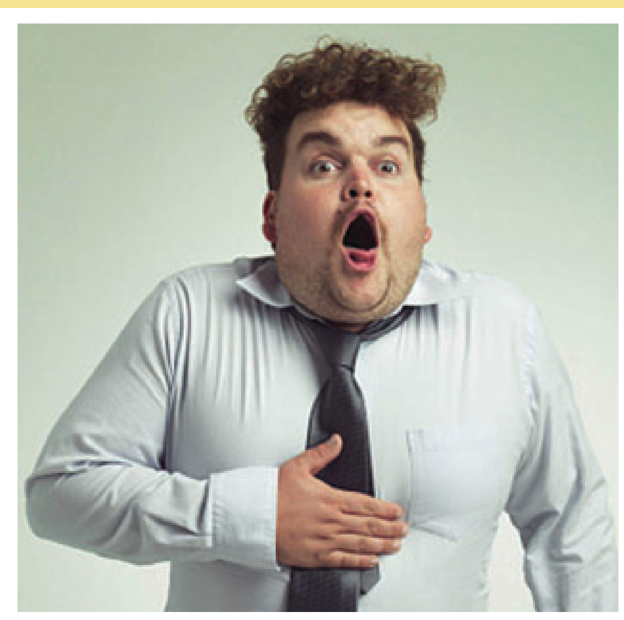

यह दावा चौंकाने वाला जरूर हो सकता है, पर वास्तविकता यही है कि जिसे अब तक हम गैस्ट्रिक की समस्या मानते आ रहे थे, असल में उसका गैस से कोई संबंध ही नहीं है, यह मानसिक विकारों के कारण होने वाली दिक्कत है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि ज्यादातर लोग इस तरह की समस्याओं से परेशान रहते हैं, पर उनके रोग का सही निदान हो ही नहीं पाता है। हाथ-पैर दबाने से निकलने वाली डकार का मानसिक स्वास्थ्य से क्या संबंध है? इस बारे में जानने के लिए हमने न्यूरोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और मनोरोग विशेषज्ञ से बातचीत की। आइए इसे विस्तार से समझते हैं।

फंक्शनल न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर की समस्या

शरीर के अंगों को दबाने से डकार के रूप में गैस निकलने की अनुभूति का गैस्ट्रिक विकारों से कोई संबंध नहीं है। इस बारे में जानने के लिए हमने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में न्यूरोलॉजी विभाग के प्रोफेसर विजय नाथ मिश्र से बातचीत की। प्रोफेसर मिश्र बताते हैं, यह समस्या वर्षों से चली आ रही है, जिसका सही निदान ही नहीं हो पाता है। हाथ-पैर या सिर दबाने से निकलने वाली जिस डकार को हम गैस मान रहे होते हैं, वह बस खुद के दिमाग से उपजा एक सूचक मात्र है, जिसका असल में गैस की परेशानी से कोई वास्ता ही नहीं है। यह एक प्रकार के मानसिक रोग का संकेत है।

प्रोफेसर मिश्र बताते हैं, इस समस्या का मुख्य कारण फंक्शनल न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर माना जाता है। इस समस्या की खास बात यह है कि यह कुछ प्राप्त करने या अपने प्रति लोगों का ध्यान आकृष्ट करने के लिए होता है। हालांकि व्यक्ति जान-बूझकर ऐसा नहीं कर रहा होता है।

उदाहरण के लिए परीक्षा के पहले कुछ लोगों को तेज सिरदर्द या बेहोशी जैसी दिक्कत होने लगती है और वह परीक्षा नहीं देते हैं, पर जैसे ही परीक्षा का समय खत्म होता है वह स्वत: ठीक महसूस करने लगते हैं। 'थ्री ईडियट्स' फिल्म की शुरुआत में फरहान ने जिस तरह से बेहोशी और सीने में दर्द होने की समस्या बताकर विमान रुकवाया और एयरपोर्ट पर पहुंचते ही ठीक हो गया, यह भी इसका एक उदाहरण है। हालांकि फंक्शनल न्यूरोलॉजिक डिसऑर्डर, बहानेबाजी नहीं है, यह मानसिक स्वास्थ्य समस्या के कारण अचेतन स्थिति में होने वाली प्रतिक्रिया है, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों का अपनी समस्याओं के प्रति ध्यान आकृष्ट करना है, जिससे लोग रोगी की समस्याओं पर गौर करें।

मन से संबंधित विकार

प्रोफेसर मिश्र बताते हैं, अंगों को दबाने से डकार निकलना सीधा हमारे मन से संबंधित विकार है, जिसके माध्यम से हम लोगों से अप्रत्यक्ष तौर पर या तो कुछ बताना चाहते हैं या उनका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं।

यह समस्या न्यूरोसिस विकारों का एक प्रकार है, जिसमें इंसान के मन में किसी भी चीज को लेकर शक बैठ जाता है, और प्रत्यक्ष तौर पर ऐसी समस्या न होते हुए भी व्यक्ति उसी के अनुरूप व्यवहार करने लगता है।

मानसिक विकारों के शारीरिक लक्षण

अंगों को दबाने से डकार निकलने के मनोवैज्ञानिक कारणों को समझने के लिए हमने वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ सत्यकांत त्रिवेदी से बात की। डॉ सत्यकांत बताते हैं, मनोविज्ञान की भाषा में इस तरह के विकार को 'सोमैटोफॉर्म ऑटोनॉमिक डिस्फंक्शन' कहा जाता है। इस समस्या में लोगों को अलग-अलग तरह के शारीरिक लक्षणों का अनुभव हो सकता है, जबकि असल में यह मन के कारण उत्पन्न समस्या है, जिसका फिजिकल लक्षणों से संबंध ही नहीं है। अंगों को दबाने से डकार आना भी ऐसा ही एक लक्षण है।

यह ब्रेन की एक प्रकार की 'कन्वर्जन रिएक्शन' प्रक्रिया का भी हिस्सा है, जिसमें मस्तिष्क अत्यधिक तनाव की समस्या को शारीरिक लक्षणों के रूप में बदलकर उसके मस्तिष्क पर होने वाले ट्रॉमा को कम कर देता है।

ज्यादा तनाव लेने वालों में होती है ऐसी दिक्कत

डॉ सत्यकांत कहते हैं, ज्यादा तनाव और चिंता विकारों से जूझ रहे लोगों में इस तरह की समस्या होना सामान्य है। इसके अलावा समाज में प्रताड़ित, अपनी बात न रख पाने वाले, मन में कई बात को लेकर चलने वाले लोगों में भी यह दिक्कत हो सकती है।

इन समस्याओं को 'इमोशनल क्राई' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसका मतलब है कि उस व्यक्ति की परेशानियों को सुना जाना चाहिए। चूंकि यह समस्याएं अवचेतन की स्थिति में हो रही होती हैं, ऐसे में इसका सही निदान और व्यक्ति की भावनाओं को समझा जाना आवश्यक है। अप्रत्यक्ष रूप से, अंगों को दबाने पर निकलने वाली डकार इसी बात का सूचक है।

इन समस्याओं से कैसे बचा जाए?

डॉक्टर सत्यकांत बताते हैं, अगर आप अधिक तनाव लेते हैं, अपनी बात लोगों को ठीक से कह नहीं पाते हैं, भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाई महसूस होती है, मन में अंतर्द्वंद चल रहा होता है या किसी प्रकार का लंबे समय से इमोशनल ट्रॉमा रहा है तो सोमैटोफॉर्म ऑटोनॉमिक डिस्फंक्शन की समस्या हो सकती है। दुर्भाग्य यह है कि ज्यादातर मामलों में इसका सही निदान ही नहीं हो पाता है और हम जीवनभर उन बीमारियों का दवाइयां खाते रह जाते हैं, जो असल में हमें हैं ही नहीं। इसे गैस की बीमारी न समझा जाए, यह एक प्रकार की मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्या है, जिसमें रोगी की काउंसिलिंग बहुत आवश्यक है।

गर्लफ्रेंड प्रिया बेनीवाल संग सिंगर मिलिंद गाबा ने की सगाई

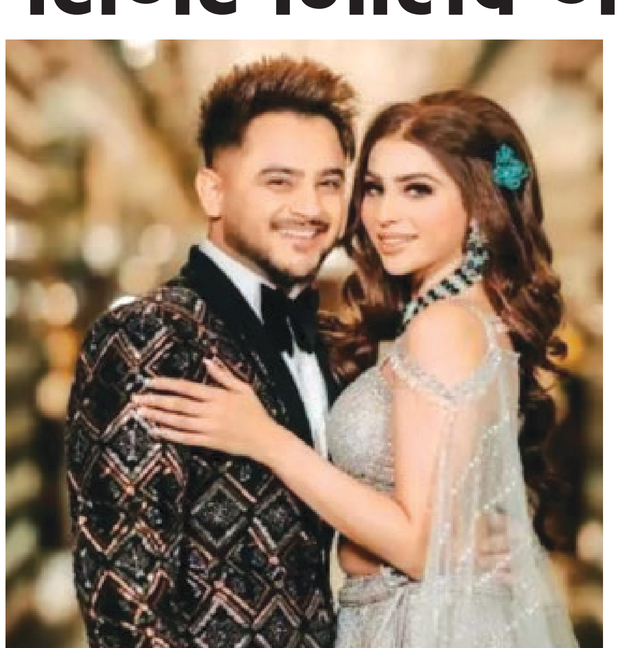

बॉलीवुड इंडस्ट्री में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी की खबरें छाई हुई हैं। इसी बीच एक और सेलिब्रिटी कपल ने शादी की तैयारियां शुरू कर दीं। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के पॉपुलर सिंगर मिलिंद गाबा भी अपनी गर्लफ्रेंड प्रिया बेनीवाल के साथ शादी करने के लिए तैयार हैं। मिलिंद ने अपनी लॉन्ग टाइग गर्लफ्रेंड प्रिया से सगाई कर ली है। दोनों की सगाई सेरेमनी सोमवार को हुई, जिसके बाद मंगलवार को मिलिंद और प्रिया ने संगीत और कॉकटेल बैश का आयोजित किया। इस फंक्शन को काफी ग्रैंड तरीके से किया गया, जिसमें कई सेलेब्स शामिल हुए। दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर भी मिलिंद और प्रिया की प्री-वेडिंग फंक्शन की तस्वीरें और वीडियो छाए हुए हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियोज

मिलिंद गाबा और प्रिया बेनीवाल अपनी सगाई सेरेमनी में काफी सुंदर लग रहे थे। प्रिया सिल्वर कलर के आउटफिट में कमाल की लग रही थीं और मिलिंद भी ब्लैक सूट में काफी हैंडसम लग रहे हैं। पैपराजी और फैन पेज द्वारा मिलिंद गाबा और प्रिया बेनीवाल की सगाई की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे हैं, जिसमें कपल अपनी खूबसूरत शाम को एंजॉय करते दिखाई दे रहा है।

सेलेब्स भी हुए शामिल

एक वीडियो में प्रिया वैन्यू में ग्रैंड एंट्री लेती हुई दिख रही हैं। इस दौरान वह सीढ़ियों से उतरती हुई परी की तरह लग रही हैं। वह बार-बार हवा में हाथ लहराते हुए सभी को हाय कर रही हैं। इसी तरह दूसरे वीडियो में मिलिंद और प्रिया अपने खास लोगों के बीच डांस करते दिखाई दे रहे हैं। मिलिंद गाबा और प्रिया बेनीवाल के प्रीवेडिंग फंक्शन में कई सेलेब्स भी शामिल हुए, जिसमें भूषण कुमार, मीका सिंह, गुरु रंधावा, सपना चौधरी, सुरेश रैना, प्रिंस नरूला और सुयश राय समेत कई सेलेब्स शामिल हैं।

इस दिन करेंगे शादी

मिलिंद गाबा और प्रिया बेनीबाल 16 अप्रैल 2022 को शादी के बंधन में बंध जाएंगे। दोनों के प्रीवेडिंग फंक्शन भी शुरू हो गए हैं। प्रिया बेनिवाल एक फेमस यूट्यूबर व फैशन इंफ्लुएंसर हैं। वह मशहूर यूट्यूबर हर्ष बेनिवाल की बहन भी हैं। मिलिंद और प्रिया काफी लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। ऐसे में दोनों को एक होता देख फैंस भी काफी खुश हैं।

खास खबर

सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह सम्पन्न

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के सभागार में मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एवं सीसीडी) जी ए राव के नेतृत्व में सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। सुरक्षा सप्ताह आयोजन 31 मार्च 2022 से प्रारंभ हुआ तथा प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे नुक्कड़ सभा, ड्राइंग, पेंटिंग, भाषण प्रतियोगिता, 5-एस कार्यशाला, क्विज, गीत, कविता एवं प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने का सफल प्रयास किया गया। इन सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को दिनांक 06 अप्रेल, 2022 को पुरस्कार वितरण तथा सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह भी आयोजित किया गया। सुरक्षा सप्ताह में अन्य विभाग ईएमडी, बीई तथा सेफ्टी विभाग के प्रशिक्षक के द्वारा अलग अलग विषयों पर कार्यशाला आयोजित किया गया। सुरक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी कर्मचारियों व अधिकारियों तथा ठेका श्रमिकों को दी गयी। कार्यक्रम का संचालन के साथ-साथ गीतों के माध्यम से अशोक जैन ने शमा बांधा जिसमें देवब्रत राय एवं डॉ चंद्रा का विशेष सहयोग रहा। समापन समारोह में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (मिल्स) एम एम गद्रे एवं कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) जी पी सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। इन सभी कार्यक्रमों में मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एवं सीसीडी) जी ए राव विशेष रूप से सहभागी बने तथा अपने उदबोधन के माध्यम से सभी साथियों को सुरक्षा के प्रति प्रेरित किय। बी सी मंडल एवं प्रकाश बोम्बेश्वर विभागीय सुरक्षा अधिकारियों ने सभी कार्यक्रमों का सुचारू रूप से संचालन किया। कार्यक्रम में कर्मचारी युनियन के सदस्य संजय साहू तथा एस पी डे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शेष बचे हितग्राहियों का बनवायें राशन कार्ड - कलेक्टर

रायगढ़। जिले में निवासरत ओबीसी वर्ग के शेष बचे सभी हितग्राहियों का पात्रतानुसार राशन कार्ड बनाये जाने है। इसके लिए खाद्य विभाग के साथ सभी सीईओ जनपद व नगरीय निकाय के अधिकारी समन्वय कर कार्ड बनाने का कार्य तेजी से पूर्ण करें। उक्त निर्देश कलेक्टर भीम सिंह ने आज साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में दिए। कलेक्टर सिंह ने अस्पतालों में स्थापित किए जा रहे ब्लड बैंक तथा हमर लैब के निर्माण कार्य के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी जतायी। कलेक्टर सिंह ने हाट-बाजार क्लीनिक में रोस्टर बनाकर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों को भेजने के लिए कहा। साथ ही डॉक्टरों के रोस्टर का पहले से ही संबंधित हाट-बाजार में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए कहा।

टैक्स संग्रहण में उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी होंगे पुरस्कृत

टैक्स डिफाल्टर वाहन स्वामियों के विरूद्ध 'भू-राजस्व संहिता' के तहत वाहनों की कुर्की की होगी कार्रवाई

एकमुश्त निपटान योजना तहत 7 महीने में 2 हजार 135 वाहनों से 20.50 करोड़ रुपए बकाया कर की वसूली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिलों के ऐसे परिवहन अधिकारियों एवं कर्मचारियों जिन्होंने टैक्स संग्रहण में उल्लेखनीय कार्य किया है, उन्हें परिवहन आयुक्त के द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के निर्देशन में परिवहन सचिव एवं परिवहन आयुक्त के लगातार मार्गदर्शन से मुख्यालय एवं जिलों के परिवहन अधिकारियों एवं प्रवर्तन अधिकारियों के द्वारा लगातार प्रयास एवं मेहनत से राजस्व की प्राप्ति की जा रही है।

परिवहन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व नुकसान को रोकने के लिए टैक्स डिफाल्टर की सूची जिलों के परिवहन अधिकारियों द्वारा समाचार-पत्रों के माध्यम से नोटिस जारी कर तथा व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क स्थापित कर अधिक से अधिक राजस्व संग्रहण का कार्य किया जा रहा है। यदि उसके बाद भी टेक्स डिफाल्टर वाहन स्वामियों द्वारा टैक्स जमा करने में रूचि नहीं दिखाई जाती है, तो उन टैक्स डिफाल्टर वाहन स्वामियों के विरूद्ध 'भू-राजस्व संहिता' के तहत वाहनों के कुर्की की विधिवत् कार्यवाही प्रारम्भ की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि वाहन मालिकों को सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा वर्ष 2021-22 में 'एकमुश्त निपटान' योजना 13 सितंबर 2021 से 31 मार्च 2022 तक के लिए लागू की गई थी। जिसके तहत 2 हज़ार 135 वाहनों से 20.50 करोड़ रुपए बकाया कर की वसूली की गई है। इसके अतिरिक्त शेष 2 हजार 37 वाहनों को जप्त किया गया है, जिसकी वसूली शेष है। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा ओव्हरलोड मालयान वाहनों तथा विविध अपराधों को नियंत्रित करने हेतु लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए विभाग द्वारा 16 परिवहन चेकपोस्ट एवं 7 परिवहन उड़नदस्ता का संचालन किया जा रहा है। परिवहन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 1373.91 करोड़ रूपए का राजस्व अर्जित किया। जिसमें शुल्क 196.64 करोड़ रुपये, समझौता-शुल्क/फाईन से 193.61 करोड़ रुपए, टैक्स-जीवनकालकर, मासिक कर और त्रै-मासिक कर से 983.66 करोड़ रूपए का राजस्व अर्जित किया गया है।

इसी तरह वर्ष 2020-21 में इन मदों से 1147.92 करोड़ रूपए का राजस्व अर्जित किया गया है। जिसकी तुलना में वित्तीय वर्ष 2021-22 में 1373.91 करोड रुपए राजस्व अर्जित करते हुए 19.69 प्रतिशत वृद्धि के साथ 225.99 करोड़ रूपए अधिक राजस्व अर्जित किया गया। इसी तरह वित्तीय वर्ष 2020-21 में परिवहन चेकपोस्ट एवं परिवहन उड़नदस्तों द्वारा 3 लाख 16 हजार 249 वाहनों से 71.06 करोड़ रूपए राजस्व अर्जित किया गया। वही वित्तीय वर्ष 2021-22 में 6 लाख 26 हजार 605 ओव्हरलोड मालयान वाहनों तथा विविध अपराधों के तहत चालानी कार्यवाही कर 165.60 करोड़ रूपये का राजस्व अर्जित किया गया।

राज्य में कई पुराने मासिक, त्रै-मासिक कर बकाया है। जिलों के परिवहन अधिकारियों द्वारा वर्ष 2021-22 में 480 वाहनों से 22.04 करोड़ रुपए की वसूली की गई है। इसके अतिरिक्त 12 मार्च 2022 से 31मार्च 2022 तक अभियान चलाकर 588 वाहनों से 3.55 करोड़ रूपए बकाया टैक्स वसूल किया गया है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जायसवाल, एनईसीओ, एसकेएस, सार्थक इस्पात, गोदावरी इस्पात, हाइटेक यार्ड, शारदा एनर्जी सिलतरा सहित कई कम्पनियों और फैक्ट्रियों में टैक्स जमा नहीं करने वाली वाहनों को जप्त किया गया है। इन वाहन मालिकों पर परिवहन विभाग का लगभग 50 लाख रूपए बकाया है।

57 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूलों में प्रतिनियुक्ति पर प्राचार्यों की सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय में प्राचार्य पद पर अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के 57 कर्मचारियों की सेवाएं संबंधित विद्यालय के संचालन एवं प्रबंधन समिति को सौंपी हैं। यह कर्मचारी स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न स्कूलों में प्राचार्य, व्याख्याता और व्याख्याता एलबी के पद पर कार्यरत रहे हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा आज महानदी भवन नवा रायपुर से जारी आदेशानुसार बीजापुर जिले के उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल भोपालपटनम के लिए श्री एन. राजेश, भैरमगढ़ स्कूल के लिए श्री देवानंद मेश्राम, बस्तर जिले के स्कूल करपावण्ड विकासखण्ड बकावण्ड के लिए श्री दसमत कश्यप, बस्तर जिले के स्कूल बास्तानार के लिए श्री संजय कुमार झा, बस्तर स्कूल के लिए श्री पी.आर.लाउत्रे, दरभा स्कूल के लिए श्री एम.जी. काछी, कांकेर जिले भानुप्रतापपुर स्कूल के लिए श्री एस. के. भारद्वाज, अंतागढ़ स्कूल के लिए श्री गौतम सिन्हा, कोयलीबेड़ा स्कूल के लिए श्री आशुतोष मजुमदार, नरहरपुर स्कूल के लिए डिलेश्वर साव, कोण्डागांव जिले के विश्रामपुरी बड़ेराजपुर स्कूल के लिए शैलेन्द्र सोनी, माकड़ी स्कूल के लिए एच.आर. नाग, फरसगांव स्कूल के लिए महावीर जायसवाल की सेवाएं प्रतिनियुक्ति पर प्राचार्य पद के लिए सौंपी गई हैं।

कोरबा जिले के पोड़ीउपरोड़ा स्कूल के लिए रविन्द्र कुमार सिंह, कटघोरा स्कूल के लिए महेन्द्र सिंह कंवर, मुंगेली जिले के लोरमी स्कूल के लिए अशोक कुमार राजपूत, पथरिया स्कूल के लिए सुरजीत सिंह टण्डन, बिलासपुर जिले के कोटा स्कूल के लिए राकेश दिघ्रस्कर, मस्तुरी स्कूल के लिए कमल डहरिया, चक्रभाठा बालक स्कूल के लिए श्रीमती रीना साहा, तखतपुर स्कूल के लिए श्रीमती मौसमी राबिन्सन, रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ स्कूल के लिए हकीम उल्लाह खान, सारंगढ़ स्कूल के लिए सुदीप्त प्रधान, जांजगीर जिले के जैजेपुर स्कूल के लिए मनमेल लकड़ा, सक्ती विकासखण्ड के मालखरोदा स्कूल के लिए होरीलाल भारती, पामगढ़ स्कूल के लिए श्रीमती निर्मल जसिंता एक्का, बम्हनीडीह स्कूल के लिए श्रीमती श्वेता शुक्ला, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजनांतर्गत धमतरी जिले के शासकीय श्रृंगी ऋषि स्कूल नगरी के लिए एस.के. प्रजापति, मगरलोड विकासखण्ड के भैसमुड़ी स्कूल के लिए अशोक कुमार ध्रुव, बलौदाबाजार जिले के कसडोल में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजनांतर्गत गुरूघासीदास विद्यालय के लिए संतोष कुमार वर्मा, गरियाबंद स्कूल के लिए श्री दीपक कुमार, मैनपुर स्कूल के लिए बिसराम सिंह नागेश की सेवाएं प्राचार्य पद हेतु प्रतिनियुक्ति पर सौंपी गई है।

भैयाथान स्कूल के लिए श्री सुखेन्द्र सिंह चौहान, जशपुर जिले के फरसाबहार स्कूल के लिए प्रदीप कुमार कुजूर, पत्थलगांव स्कूल के लिए श्रीमती तनु सिंह ठाकुर, बगीचा स्कूल के लिए सुदर्शन पटेल, कांसाबेल स्कूल के लिए तेजकुमार केरकेट्टा, कुनकुरी स्कूल के लिए श्रीमती अगुस्टिना तिग्गा, मनोरा स्कूल के लिए श्री आर.बी. निराला, बालोद जिले के स्कूल गुरूर के लिए श्री भुनेश्वर प्रसाद यादव, डौण्डीलोहारा स्कूल के लिए श्रीमती अनिता सिंह, बेमेतरा जिले के नवागढ़ स्कूल के लिए राजेन्द्र प्रसाद कुर्रे, बेरला स्कूल के लिए भगवती प्रसाद बानी, कबीरधाम जिले के बोड़ला स्कूल के लिए अश्वनी कुमार सोरी, सरसपुर लोहारा स्कूल के लिए मनहरण लाल तुरके, राजनांदगांव जिले के विकासखण्ड छुईखदान के गंडई स्कूल के लिए पवन ददरिया, मानपुर स्कूल के लिए ए.आर. कौर और दुर्ग जिले के विकासखण्ड पाटन के जामगांव स्कूल के लिए श्री राजेश पिल्लई की सेवाएं प्रतिनियुक्ति पर प्राचार्य पद के लिए सौंपी गई है।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में हो रहे विविध आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति दुर्ग के द्वारा आयोजित भगवान महावीर जन्म महोत्सव का आज तीसरा दिवस है सकल जैन समाज मिलकर भगवान महावीर का जन्म महोत्सव मना रहा है आज प्रात: 6:30 बजे पदनाभपुर दुर्ग मै प्रभात फेरी अहिंसा संदेश यात्रा भगवान महावीर एवं जैन धर्म के जयघोष के साथ जो पदनाभपुर एरिया के विभिन्न क्षेत्रों में होते हुए प्रभात फेरी संपन्न हुई। सकल जैन समाज के सभी वर्ग के लोग इस अहिंसा यात्रा में शामिल हुए युवक एवं युवतियों में जैन धर्म के प्रति जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

सकल दिगंबर समाज के 90 से अधिक परिवारों के 118 सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शानदार प्रस्तुति दी 3 साल के बच्चे से लेकर 70 साल के बुजुर्ग इस आयोजन का हिस्सा बने पाप से पुण्य की यात्रा नाटिका नाटिका की जीवंत प्रस्तुति ने कार्यक्रम में शानदार समा बांधा नाटिका के हर पात्र ने अपने चरित्र के अनुसार जीवंत प्रस्तुति दी

स्नेहिल जैन बिट्टू दीदी पिता इंदर चंद बाकलीवाल सुरभि सुधीर जैन श्रीमती पल्लवी संदीप बाकलीवाल श्रीमती नीलिमा भरत बाकलीवाल ने पाप से पुण्य की यात्रा नॉटी काका संयोजन किया लगभग 20 दिनों की कड़ी मेहनत के पश्चात सभी सदस्यों ने इस नाटिका में शानदार प्रस्तुति दी नाटिका में कार्यक्रम का संचालन अदिति बाकलीवाल एवं सोनू बाकलीवाल ने किया

भूरी बाई जैन पाठशाला के प्रमुख श्री महावीर गंगवाल के मार्गदर्शन में सकल दिगंबर जैन समाज शांतिनाथ जैन मंदिर शीतलनाथ जैन मंदिर ऋषभ कॉलोनी दिगंबर जैन मंदिर पदनाभपुर दिगंबर जैन मंदिर के जैन परिवारों ने इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया

भगवान महावीर भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के प्रचार प्रसार प्रमुख नवीन संचेती ने जानकारी देते हुए बताया आज रात्रि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में संयम पद की ओर अग्रसर हुए दीक्षार्थी परिवार के वीर माता पिता एवं परिवार जनों का अभिनंदन कार्यक्रम एक शाम वीर पथ गामियो के नाम गंज मंडी के प्रांगण में आयोजित है श्वेता बैद सीखा बरडिया वंदना दुग्गड के संयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम एक शाम वीर पथ गालियों के नाम आयोजित है 13 अप्रैल को प्रात: प्रभात फेरी सुबह 10:00 बजे गंजपारा स्थित अंजली मेडिकल के प्रांगण में विशाल ब्लड बैंक शिविर का आयोजन अभिजीत पारख के निर्देशन में भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति द्वारा रखा गया है और रात्रि में आयो रे शुभ दिन आयो रे शहर के अनेक जैन महिला मंडल सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे।

उद्योग मंत्री लखमा ने 10.8 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने आज सुकमा जिला मुख्यालय से लगभग 45 किमी दूर बसे संवेदनशील ग्राम बड़ेसट्टी में 10 करोड़ 8 लाख रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 8 करोड़ 26 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 1 करोड़ 82 लाख रूपए लागत से बनने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

इस अवसर पर आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए मंत्री श्री लखमा ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासियों के सशक्तिकरण, सामाजिक उत्थान और आर्थिक विकास के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के आय का मुख्य स्त्रोत वनोपज हैं। उनकी सरकार 65 प्रकार के वनोपजों की खरीदी कर रही है। जिससे वनवासियो के जीवन में सुधार आ रहा है।

बेमेतरा की घटना के बाद चेम्बर ने की गृहमंत्री एवं पुलिस महानिदेशक से मुलाकात

तत्थों और सूक्ष्म जांच-पड़ताल बिना एफआईआर दर्ज न हो: अमर पारवान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज दिनांक 12 अप्रेल 2022 को चेम्बर का प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में बेमेतरा जिले में घटित घटना के संदर्भ में माननीय गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू एवं पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा से मिला।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्षअमर पारवानी ने इस संबंध में गृहमंत्री जी एवं पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा से आग्रह करते हुए कहा कि उक्त मामले की प्रत्यक्ष और पारदर्शी रूप से जांच करवाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने की कृपा करें।

श्री पारवानी ने आगे कहा कि विगत दो वर्षों में प्रदेश के 8 लाख व्यापारी कोरोना महामारी से जूझते हुए विपरीत रूप से प्रभावित हुए हैं एवं आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे हालातों में बाजार में उधारी नई बात नहीं है, लेन-देन व्यापार का हिस्सा है।

कोरोनाकाल में सभी ने इस स्थिति को समझा है, लेकिन बेमेतरा में जिस तरह एक व्यापारी की संदिग्ध हालात में मृत्यु के बाद बिना किसी सूक्ष्म जांच के पांच अन्य कारोबारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई, ऐसे हालातों में जांच टीम को तत्थों के आधार पर मामला सुलझाना चाहिए। अत: परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए मामले की जांच निष्पक्ष होनी चाहिये। बिना जांच पड़ताल किये किसी भी व्यवसायी को दोषी ठहराया जाना उनके मौलिक अधिकार के विपरीत है, बिना ठोस सबूत के उनके विरुद्ध कार्यवाही के पश्चात् वे मानसिक रूप से व्यथित हैं एवं पूरे प्रदेश के 8 लाख व्यापारियों में भय व्याप्त है कि उसे लेन-देन संबंधित राशि के लिये स्मरण कराये जाने पर यदि संबंधित व्यापारी के साथ अनहोनी होती है तो उस पर अनावश्यक रूप से कार्यवाही की जा सकती है जो सर्वथा अनुचित है।

गृहमंत्री एवं पुलिस महानिदेशक महोदय ने उक्त मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर सकारात्मक रूख अपनाते हुए चेम्बर प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि बिना जांच पड़ताल किये किसी भी व्यवसायी के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआई.आर.) नहीं की जायेगी।

।। न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-2 ।।

उद्घोषणा पत्र

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सीएच. सत्यवती, पति स्व. श्री सीएच. वी. राजू, उम्र 76 वर्ष, जाति- तेलगू, निवासी बी-17, सेन्ट्रल ऐवेन्यु- स्मृतिनगर, जुनवानी भिलाई, तह, व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा अपने भूमिस्वामी हक की हकत्याग विलेख के द्वारा प्राप्त भूमिमय मकान वाके मौजा जुनवानी प.ह.नं.- 15 रा.नि.मं.- दुर्ग- 1. तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) में स्थित भूमिमय मकान जिसका खसरा नं. 462/40. रकबा 2400 वर्गफीट / 0.020 हेक्टेयर परिवर्तित भूमिमय मकान स्थित है को पंजीकृत हकत्याग विलेख के आधार पर सह खातेदार अपनी पुत्रीयों - श्रीमती एस. मल्लिका, एवं श्रीमती डी. जयश्री एवं पुत्र सीएच. रवि कुमार एवं संजय कुमार सभी के पिता स्व. श्री सीएच. वी राजू के नाम से पृथक कर आवेदक का नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन पेश किया है। जिसका प्रकरण विचाराधीन है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को इस संबंध में आपत्ति दावा या ऊजर पेश करना हो तो पेशी 13-4-22 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित दिनांक. होकर लिखित में आपत्ति दावा या ऊजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 01-04-2022 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय में पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

खास-खबर

विवाह का प्रलोभन देकर प्रताड़ना, आरोपी गिरफ्तार

बरगढ़ (ए)। विवाह का प्रलोभन देकर युवती को प्रताड़ित करने की शिकायत भेडेन थाने में दर्ज की गई है। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी रुषडा थाने के मानपुर ग्रामपंचायत के सुखापाली गांव के शिव कठार के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। करीब 3 सालों से आरोपी शिव कठार युवती के साथ प्रेम संबंध में था और विवाह का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध स्थापित करता रहा। गत 3 महीने से वे घर से फरार होकर संबलपुर में एक भाड़े के घर में पति-पत्नी बनकर रह रहे थे। आरोपी के भाई व मौसा ने दोनों का विवाह करवाने की बात कही और लड़की को मोटरसाइकिल में बैठाकर संबलपुर से भेडेन स्थित उसके घर ले जा रहे थे। भेडेन पहुंचने से पहले ही भेडेन के पास दंता ब्रिज पर लडकी को उतारकर वे भागने का प्रयास कर रहे थे, जिसका युवती ने विरोध किया। इस संबंध में युवती के रिश्तेदारों को पता चला, तो वे घटनास्थल पर पहुंचे और दोनों को भेडेन थाना ले आए। इस बात की खबर पाकर आरोपी शिव कठार भी भेडेन थाना पहुंचा और उसने युवती के साथ विवाह करने से साफ इंकार कर दिया। इस पर युवती ने भेडेन थाने में प्रेम प्रताड़ना की लिखित शिकायत दर्ज करवाई।

नशीला कोल्डड्रिंक पिलाकर एमआर ने विवाहिता से किया दुष्कर्म

बिलासपुर (ए)। सकरी क्षेत्र में एमआर ने विवाहित को नशीला कोल्डड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म किया। महिला ने इसकी शिकायत सकरी थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। सकरी क्षेत्र में रहने वाली 25 वर्षीय विवाहित की जान पहचान सकरी में रहने वाले सुशील साहू(29) से थी। जान-पहचान होने के कारण दोनों के बीच बातचीत होती थी। इसका फायदा उठाते हुए सुशील ने छह महीने पहले महिला को मिलने के लिए बुलाया था। इस पर वह युवक से मिलने चली गई। युवक ने अपने घर में महिला को पीने के लिए कोल्डड्रिंक दिया। कोल्डड्रिंक में नशा होने के कारण महिला बेसुध हो गई। इसका फायदा उठाकर आरोपित सुशील ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद महिला लोकलाज के भय से चुप रही। इस बीच युवक महिला को धमकी देकर मिलने के लिए बुलाने लगा। युवक की हरकतों से परेशान होकर महिला ने इसकी जानकारी परिवार वालों को दी। इसके बाद घटना की शिकायत सकरी थाने में की। सकरी पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित युवक को न्यायालय में पेश किया गया है।

चाकू दिखाकर शराब पीने के लिए मांगे रुपये, मना करने पर छात्र की कर दी पिटाई

बिलासपुर (ए)। मंगलवार की दोपहर युवकों ने चाकू दिखाकर छात्र से शराब पीने के लिए रुपये मांगे। मना करने पर उन्होंने छात्र की पिटाई कर दी। इस दौरान बीच बचाव करने पर युवकों ने छात्र के पिता और चाचा से भी धक्का-मुक्की की। आहत ने घटना की शिकायत कोनी थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मंगला चौक में रहने वाले संजीत सिंह शासकीय इंजीनियरिंग कालेज में अंतिम वर्ष के छात्र हैं। मंगलवार की दोपहर वे अपने घर से स्कूटी पर कालेज जा रहे थे। रिवर व्यू कालोनी के पास सौरभ सिंह, गणेश वर्मा और उसके साथियों ने छात्र को रोक लिया। सौरभ ने चाकू दिखाकर छात्र से शराब पीने के लिए र्स्पये मांगे। मना करने पर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर छात्र की पिटाई की।

लाखों की गांजा तस्करी का 'ड्राइवर' एमपी से गिरफ्तार

तिवारी ट्रेवल्स की बस में पुलिस ने पकड़ा था गांजा, ड्राइवर-कंडक्टर हो गए थे फरार

पेंड्रा (ए)। छत्तीसगढ़ की गौरेला-पेंड्रा-मरवाही पुलिस ने गांजा तस्करी मामले में फरार चल रहे यात्री बस के ड्राइवर को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दुर्ग से रायपुर जा रही तिवारी ट्रेवेल्स की बस से 12 दिन पहले 15 किलो गांजा बरामद किया था। उस समय बस के ड्राइवर और कंडक्टर दोनों मौके से फरार हो गए थे। मामला पेंड्रा थाना क्षेत्र का था।

दरअसल, पुलिस को 30 मार्च को सूचना मिली कि तिवारी ट्रैवेल्स की स्लीपर बस में कुछ लोग यात्री बनकर गांजा तस्करी कर रहे हैं। इस पर पुलिस ने अमरपुर के पास देर रात बस को रुकवा लिया। तलाशी के दौरान बस में दो बैग गांजे से भरे हुए मिले। इसी बीच मौका पाकर ड्राइवर और कंडक्टर फरार हो गए थे। इसके बाद पुलिस ने बस को जब्त कर लिया और यात्रियों सहित थाने ले आए थे।

तलाशी के दौरान बस से दो बैग में करीब 15 किलो गांजा बरामद हुआ। इसकी कीमत करीब 30 लाख रुपए बताई गई। पूछताछ में बस के केबिन में बैठे एक व्यक्ति ने बताया कि ड्राइवर का नाम महेश पटेल है और वह रीवा के मऊ हनुमना का रहने वाला है। जबकि उसका सहयोगी राजेश यादव भी रीवा के ग्राम भट्टी निवासी है। इसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम लगाई गई थी।

दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार उनके रिश्तेदारों के यहां छापे मार रही थी। हालांकि आरोपी पकड़ में नहीं आ रहे थे। इसी बीच पता चला कि राजेश उर्फ जोशी (42) अपने घर पूर्वा कल्याणपुर भउठी पहुंचा है। इस पर पुलिस ने छापामार उसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं दूसरे आरोपी महेश पटेल की तलाश की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।

शराब पीकर हंगामा करने वाले आरक्षक को बिलासपुर एसपी ने किया बर्खास्त

बिलासपुर (ए)। बोड़सरा में सुरक्षा ड्यूटी में तैनात आरक्षक ने शराब पीकर हंगामा मचा दिया। इसकी सूचना पर अधिकारियों ने लाइन से जवान भेजकर उसे बुलाया। मामले की जांच के बाद एसपी पारुल माथुर ने आरक्षक को बर्खास्त कर दिया है। एक अन्य मामले में दो साल से ड्यूटी से गायब आरक्षक को सेवामुक्त किया गया है। एएसपी ग्रामीण रोहित झा ने बताया कि आरक्षक अनिल सिंह की ड्यूटी बोड़सरा में लगाई गई थी। संवेदनशील जगह पर ड्यूटी के बावजूद आरक्षक ने शराब पीकर हंगामा कर दिया।

गांव वालों ने इसकी सूचना पुलिस के उच्च अधिकारियों को दी। इस पर लाइन से जवानों को भेजकर अनिल को थाने लाया गया। यहां से डाक्टरी जांच के बाद उसे घर भेज दिया गया। आरक्षक के उपद्रव की जानकारी होने पर एसपी पारुल माथुर ने जांच का आदेश दिया था। जांच प्रतिवेदन के आधार पर एसपी ने आरक्षक को बर्खास्त कर दिया है। एक अन्य मामले में आरक्षक प्रीतम कुमार चतुर्वेदी का मई 2020 में कोटा से सरकंडा थाने में तबादला किया गया था। आरक्षक ने सरकंडा थाने में ड्यूटी ज्वाइन नहीं की। दो साल तक ड्यूटी से ज्वाइन नहीं करने पर एसपी पारुल माथुर ने उसे बर्खास्त किया है।

जांच के बाद दिया आदेश

आरोपित आरक्षक अनिल सिंह की ड्यूटी बोड़सरा के संवेदनशील जगह की सुरक्षा में लगी थी। इसके बाद भी वह शराब पीकर गांव में उत्पात मचा रहा था। साथी जवानों ने उसे समझाने की कोशिश भी की। इसके बाद गांव के लोगों ने घटना की जानकारी अधिकारियों को दे दी। अधिकारियों ने चकरभाठा थाने से बल भेजकर आरक्षक को बुलाया। इसके बाद उसकी डाक्टरी जांच की गई। इसमें उसके शराब पीने की पुष्टि हुई। बाद में एसपी ने मामले की जांच के लिए एएसपी को निर्देशित कर दिया। जांच रिपोर्ट के आधार पर जवान पर कार्रवाई की गई। इधर आरक्षक प्रीतम कुमार लंबे समय से ड्यूटी पर नहीं आ रहा था। उसके घर में भी इस संबंध में नोटिस भेजा गया। नोटिस का कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद एसपी ने उसे बर्खास्त कर दिया है।

पेट्रोल पंप के ऑफिस में लगी आग, मचा हड़कंप

बिलासपुर (ए)। मंगलवार की रात सीपत क्षेत्र के जांजी स्थित किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप के ऑफिस में आग लग गई। कर्मचारियों ने मौके पर मौजूद संसाधनों से आग पर काबू पाने की कोशिश की। साथ ही इसकी जानकारी पुलिस और एनटीपीसी के फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पर पुलिस और एनटीपीसी की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई। कुछ देर में आग पर काबू पा लिया गया। इस बीच ऑफिस में रखे दस्तावेज और अन्य सामान जलकर राख हो गए। मंगलवार की रात नौ बजे जांजी स्थित नेशनल किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप के कर्मचारी टैंकर से पेट्रोल को टंकी में डलवाने के बाद टेस्टिंग कर रहे थे। इसी बीच अचानक जोरदार आवाज आई। पेट्रोल पंप के कर्मचारी आफिस की ओर गए। ऑफिस में आग लगी थी। कर्मचारी मौके पर मौजूद अग्निशम यंत्र से आग बुझाने का प्रयास करने लगे। इस बीच आग और भड़कने लगी। कर्मचारियों ने इसकी सूचना सीपत पुलिस और एनटीपीसी के फायर ब्रिगेड को दी। साथ ही इसकी जानकारी पेट्रोल पंप की मालिक रेशमा बेगम को दी गई। घटना की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया। इस बीच आग की चपेट में आकर ऑफिस में रखे दस्तावेज और अन्य सामान जलकर राख हो गए। पूछताछ में कर्मचारियों ने शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई है। पेट्रोल पंप की संचालक रेशमा बेगम ने घटना की शिकायत सीपत थाने में की है।

बड़ी घटना टली

पेट्रोल पंप के ऑफिस में आग लगने के दौरान वहां पर एक टैंकर भी खड़ा था। इसके साथ ही कई वाहन पेट्रोल भराने के लिए खड़े थे। आग लगते ही कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्र से आग पर काबू पाने की कोशिश की। इसके कारण आग आसपास फैल नहीं सकी। कर्मचारियों की सक्रियता से बड़ी घटना टल गई।

प्रेमी संग खुद से भागी किशोरी, नहीं बनता अपहरण का अपराधः हाईकोर्ट

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर लड़की स्वेच्छा से अपने माता-पिता को छोड़कर किसी के साथ जाती है तो अपहरण का कोई अपराध नहीं बनता। कोर्ट ने इस आधार पर पाक्सो एक्ट के तहत जेल में बंद आरोपित की सजा निरस्त कर रिहा करने का आदेश दिया है। युवती के स्वजन द्वारा की गई रिपोर्ट पर सजा हुई थी।

कसडोल जिला बलौदाबाजार निवासी अनिल रात्रे को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बलौदाबाजार द्वारा पाक्सो एक्ट समेत अपहरण की धाराओं में सजा सुनाई गई थी। आरोप के अनुसार 17 साल की किशोरी 11 मई 2017 को रात में जब सब सो रहे थे घर से भाग गई। पिता ने 12 मई 2017 को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। छह मई 2018 को किशोरी आरोपित अनिल से बरामद की गई। दोनों विवाह कर चुके थे और उनका तीन महीने का बच्चा भी था। किशोरी ने बयान दिया कि उसका अपीलकर्ता के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था।

परिवार के सदस्यों को पता चला तो वे उसके लिए दूल्हे की तलाश करने लगे। इस पर उसने स्वेच्छा से अपना घर छोड़ दिया और रायपुर चली गई। रायपुर पहुंचने के बाद अपीलकर्ता के मोबाइल नंबर से संपर्क करने पर उसने बताया कि वह बैंगलुरु में है। लड़की ने उसे साथ ले जाने के लिए कहा। अपीलकर्ता ने कहा कि चूंकि वह नाबालिग है, इसलिए वह उसका साथ नहीं दे सकता।

पर लड़की के लगातार अनुरोध, दबाव और आत्महत्या की धमकी पर वह रायपुर आया और अपने साथ ले गया। लड़की ने स्पष्ट रूप से कहा कि अपीलकर्ता ने उसके साथ या उसकी इच्छा के विरुद्ध कुछ भी गलत नहीं किया है। उसने आगे बयान दिया कि उसके परिवार के सदस्य विरोध कर रहे थे, इसलिए मर्जी से लड़के के साथ गई है। कोर्ट ने मामले को देखते हुए अपने आदेश में कहा कि पीड़िता ने स्वयं से अपने माता-पिता का अपने हित अहित को देखते हुए त्याग किया है। इस कारण से अपहरण का अपराध नहीं बनता है। कोर्ट आरोपित को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग

// मैन्युअल पद्धति निविदा सूचना //

ज्ञाप क्रमांक - 5528/ व.ले.लि. / लेखा खण्ड / 2022-23 दुर्ग, दिनांक 08.04.2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. रायपुर द्वारा जारी भवन/सड़क SOR दिनांक 01.01.2015 तथा निविदा तिथि तक जारी संशोधन के अंतर्गत मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 20.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- 22.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 27.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 28.04.2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
1 T0004	सी.एस.व्ही.टी.यू. परिसर में समय-समय पर स्वीकृत विशेष मरम्मत कार्य (प्रथम आमंत्रण)	20.00
1 T0005	सी.एस.व्ही.टी.यू. परिसर में समय-समय पर स्वीकृत एम.ओ.डब्ल्यू/ जमा कार्य (प्रथम आमंत्रण)	20.00
1 T0006	सी.एस.व्ही.टी.यू. परिसर में माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रवास हेतु विभिन्न प्रकार के सड़क कार्य (प्रथम आमंत्रण)	20.00
1 T0007	सी.एस.व्ही.टी.यू. परिसर में पुरूष प्रवेश द्वार में धौलपुर स्टोन लगाने का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	20.00
1 T0008	अनुविभाग पाटन के अंतर्गत माननीय मुख्यमंत्री जी के समय-समय पर प्रवास कार्यक्रम हेतु अस्थायी हेलीपेट एवं पहुंच मार्ग एवं अन्य कार्य (प्रथम आमंत्रण)	20.00

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☐ Special Condition

नोटः- (1) " It is mandatory for the "B", "C", "D" Class biders, to submit (Annexure 3, Annexure- "2"
(2) It is Mandatory for the "A" Class bidder, to submit affidavit (Annexure 3, Appendix 1, Annexure 1,2.
(3) अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट में के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं अन्य निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-90238/4

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आकर छात्र की मौत

बिलासपुर (ए)। रेत से भरे ट्रैक्टर के ड्राइवर ने साइकिल चला रहे सातवीं कक्षा के छात्र को चपेट में ले लिया। हादसे में बालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बालक के साथ दौड़ रहा छोटा भाई बाल-बाल बच गया। उसने घटना की जानकारी अपने पिता को दी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर ट्रैक्टर चालक की तलाश कर रही है। मंगला के धुरीपारा में रहने वाले रामकृपाल साहू(40) आटो चलाते हैं। उनका बेटा मुकेश साहू (12) निजी स्कूल में सातवीं कक्षा का छात्र है।

मंगलवार की शाम वह घर के पास साइकिल चला रहा था। उसके पीछे छोटा भाई अखिलेश दौड़ रहा था। इसी बीच पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने मुकेश की साइकिल को टक्कर मार दी। इससे मुकेश साइकिल से गिरकर ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गया। ट्रैक्टर का पहिया बालक के सिर के ऊपर से गुजर गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ड्राइवर वहां से ट्रैक्टर समेत फरार हो गया। अखिलेश ने घटना की जानकारी अपने पिता को दी। इस दौरान वे मंगला चौक के पास थे। वे तुरंत ही मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर सिम्स भेज दिया है। बुधवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। रामकृपाल ने घटना की शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875 99938-08453 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी बियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मिस एंड मिसेस लेडिस वेयर
• गाऊन • ब्रा. पेन्टी • नाईटी • ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR Mob.-9840760388 7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

अरिहंत की बोली, सिद्धो का सार
आचार्यो का साथ, साधुओं का साथ
अहिंसा का प्रचार, मुबारक हो आपको
महावीर जंयती का त्यौहार

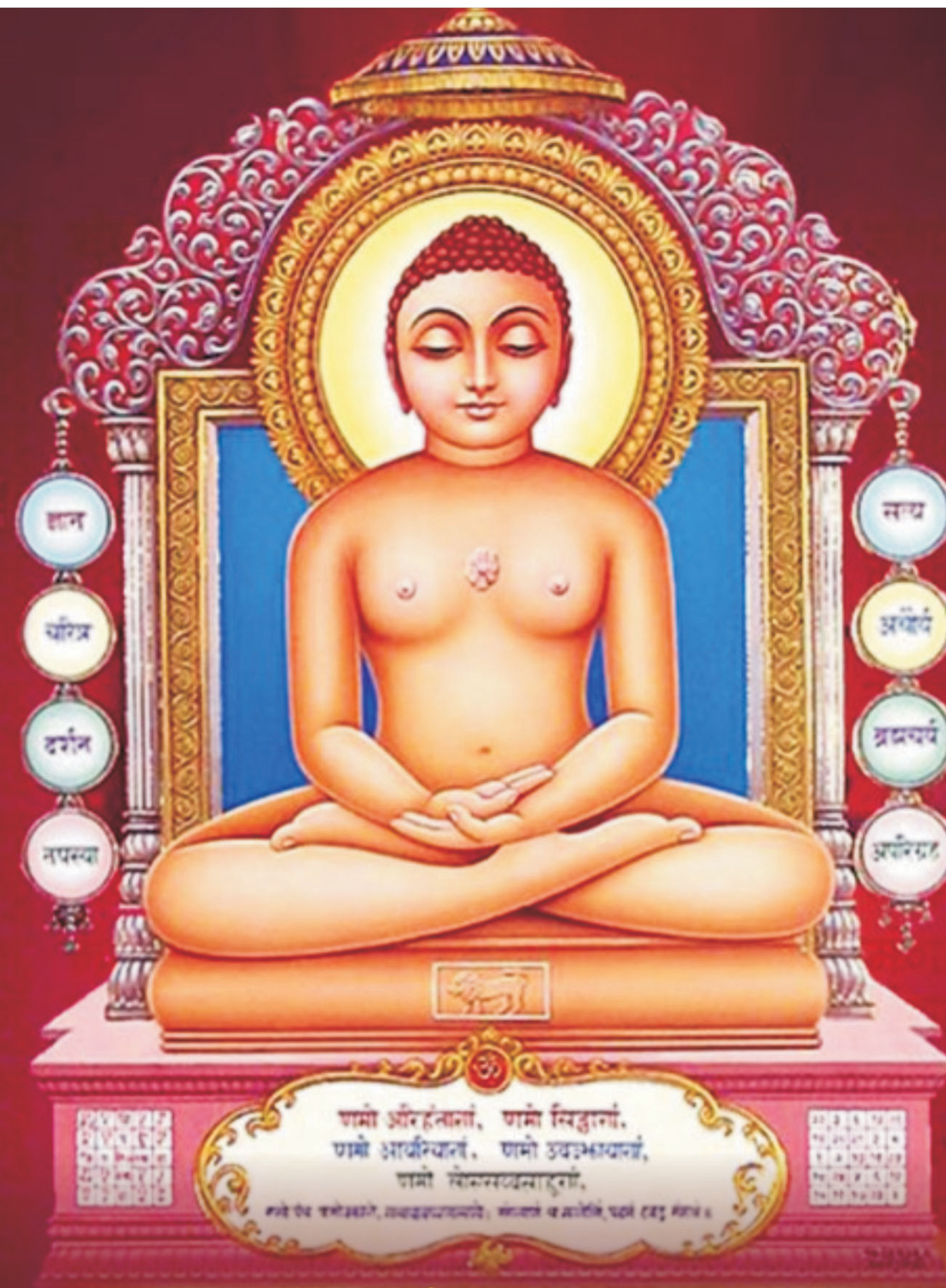

महावीर जिनका नाम है,
पालीताना जिनका धाम है,
अहिंसा जिनका नारा है,
ऐसे त्रिशला नंदन को
लाख प्रणाम हमारा है।

श्री 1008
मंगलम भगवान वीरो, मंगलम गौतमो प्रभु
भगवान महावीर के 2621वें
जन्म कल्याणक महोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं...

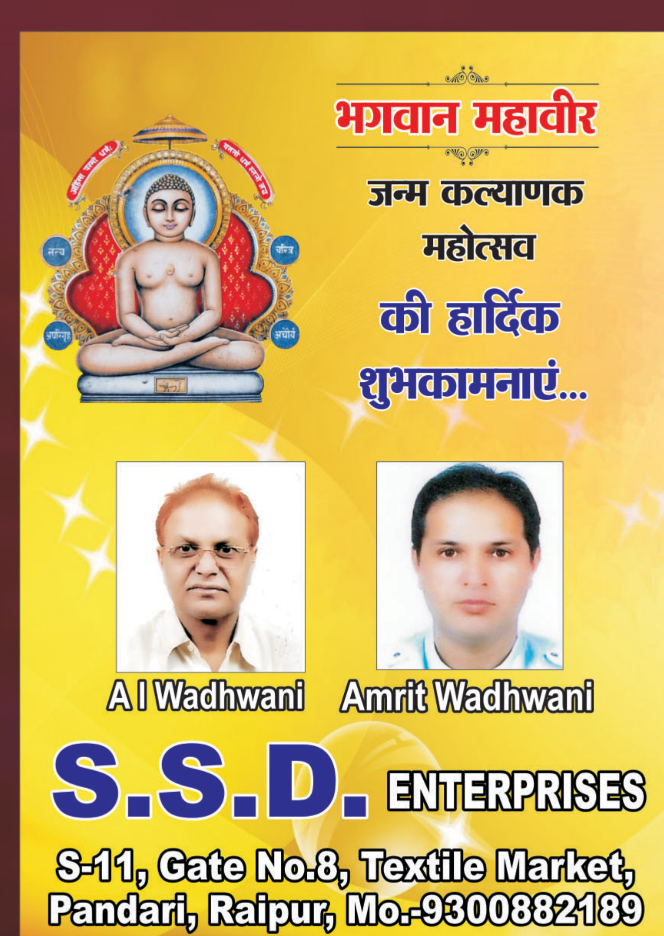

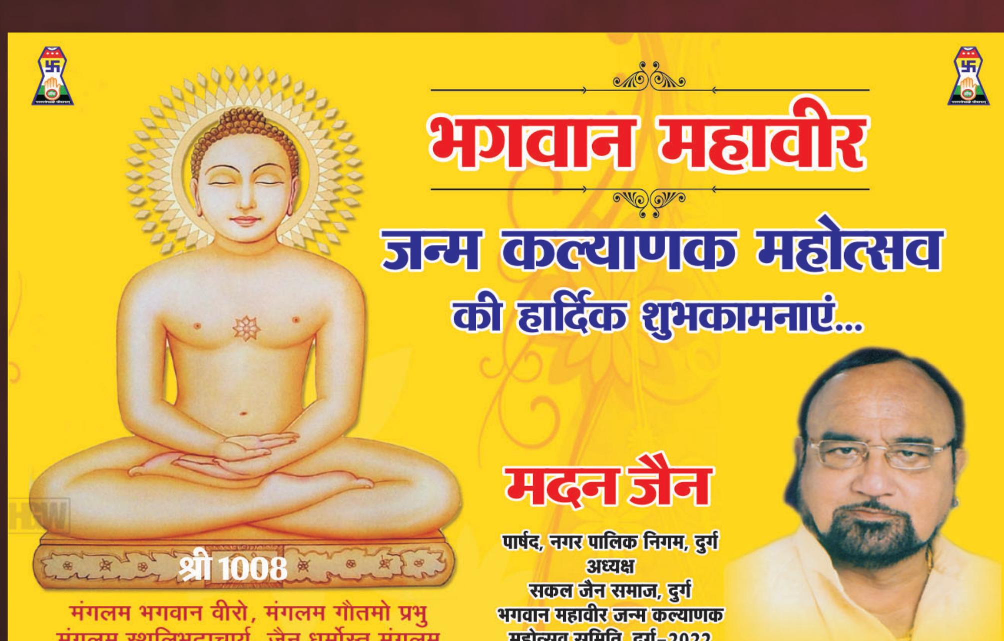

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950